छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2012

कक्षा 10वीं

विषय—सामाजिक विज्ञान

सेट—1

निर्देश—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 22 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 120 शब्द है।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. गुरुत्वाकर्षण के नियम का प्रतिपादन किसने किया ?

(अ) माईजेन न्यूटन (ब) कैपलर

(स) कापरनिकस (द) सर्वेटम।

उत्तर—(अ) माईजेन न्यूटन।

प्रश्न 2. भारत का समुद्री मार्ग का पता कितने लगाया ?

(अ) डियास (ब) वास्कोडिगामा

(स) कोलम्बस (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(ब) वास्कोडिगामा।

प्रश्न 3. गुटनिरपेक्ष क्या है ?

(अ) संसार की घटनाओं से तटस्थ रहना (ब) संसार के सभी देशों से दूर रहना

(स) दोनों गुटों से मित्रता रखना (द) स्वतन्त्र नीति का पालन करना।

उत्तर—(द) स्वतन्त्र नीति का पालन करना।

प्रश्न 4. अंग्रेज भारत में किस रूप में आए थे ?

(अ) विजेता (ब) पर्यटक

(स) आक्रामक (द) व्यापारी।

उत्तर—(द) व्यापारी।

प्रश्न 5. शीत युद्ध का क्या अर्थ है ?

(अ) महाशक्तियों के मध्य वैचारिक मतभेद (ब) परम्परागत अस्त्रों का उपयोग करना

(स) अमेरिका का लोकतन्त्रात्मक एवं रूस का साम्यवादी होना

(द) बर्लिन की नाकेबंदी।

उत्तर—(स) अमेरिका का लोकतन्त्रात्मक एवं रूस का साम्यवादी होना।

प्रश्न 6. ब्रह्म समाज की स्थापना किस समाज सुधारक द्वारा की गई ?

(अ) दयानंद सरस्वती (ब) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
(स) राजा राममोहन राय (द) स्वामी विवेकानन्द।
उत्तर—(स) राजा राममोहन राय।

प्रश्न 7. भारत का हिमालययीन सर्वोच्च पर्वत शिखर कौन-सा है ?
(अ) कंचनजंगा (ब) एवरेस्ट (स) शिवालिक (द) महान हिमालय।
उत्तर—(अ) कंचनजंगा।

दिए गए शब्दों में से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

प्रश्न 8. भारत संसार का ..... बड़ा देश है। (पाँचवाँ, सातवाँ, आठवाँ)
उत्तर—सातवाँ।

प्रश्न 9. वर्ष ..... को भारत में जनसांख्यिकी विभाजन कहते हैं। (1921, 1931, 1941)
उत्तर—1921.

प्रश्न 10. कम उम्र में विवाह करने से कुल जनसंख्या ..... है। (बढ़ती, घटती, सम)
उत्तर—बढ़ती।

प्रश्न 11. भारत में प्रथम पंचवर्षीय योजना ..... से प्रारम्भ हुई।
(9 दिसम्बर 1947, 9 दिसम्बर 1948, 1 अप्रैल 1951)
उत्तर—1 अप्रैल 1951.

प्रश्न 12. बहुजन समाज पार्टी ..... दल है। (राष्ट्रीय दल, क्षेत्रीय दल)
उत्तर—राष्ट्रीय दल।

सत्य/असत्य लिखिए—

प्रश्न 13. ग्राम पंचायत की स्थापना गांधी जी का सपना था।
उत्तर—सत्य।

प्रश्न 14. मानवाधिकार मानव की गरिमा तथा प्रतिष्ठा के लिए आवश्यक है।
उत्तर—सत्य।

प्रश्न 15. भारत में वयस्क मताधिकार की आयु 18 वर्ष है।
उत्तर—सत्य।

प्रश्न 16. राष्ट्रवादी कांग्रेस क्षेत्रीय दल है।
उत्तर—सत्य।

प्रश्न 17. गाँधीवादी सिद्धान्त में मादक पदार्थ निषेध है।
उत्तर—सत्य।

एक वाक्य में उत्तर दीजिए—

प्रश्न 18. राष्ट्रपति का कार्यकाल कितने वर्षों का होता है ?
उत्तर—5 वर्ष।

प्रश्न 19. भारत में पर्यावरण विभाग की स्थापना कब की गयी ?
उत्तर—सन् 1980.

प्रश्न 20. फासीवाद की स्थापना किसने की ?
उत्तर—बेनिटो मुसोलिनी।

प्रश्न 21. द्वितीय विश्व युद्ध कब प्रारम्भ हुआ ?
उत्तर—सन् 1939.

प्रश्न 22. सर्वसाक्षरता अभियान में किस आयु-वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है ?
उत्तर—15-35 वर्ष।

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

प्रश्न 23. प्रथम विश्व युद्ध के कोई चार कारण लिखिए।

उत्तर—प्रथम विश्व युद्ध के चार कारण हैं—

(1) इंग्लैण्ड व जर्मनी के बीच साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्द्धा साम्राज्यवाद की दौड़ में अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इंग्लैण्ड और जर्मनी के बीच टकराव उत्पन्न हो गया। इस टकराव से युद्ध होने लगे।

(2) गुटों का निर्माण एवं जर्मनी का सैन्यीकरण—संघर्ष व टकराव ने साम्राज्यवादी शक्तियों को मित्र बनाने हेतु खोज में लगा दिया ताकि भविष्य में उनकी सहायता ले सके।

(3) आर्क ड्यूक फ्रांसिस फर्डिनेंस की हत्या—28 जून, 1914 को आर्क ड्यूक फर्डिनेंस की बोस्निया में हत्या कर दी गई जो कि आस्ट्रिया की गद्दी का वारिस था।

(4) उपनिवेश के लिए संघर्ष—दिनोंदिन बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण के लिए कच्चे माल की आपूर्ति आवश्यक थी जिसकी पूर्ति कमजोर देशों में उपनिवेश स्था"त कर सरलता से की जाने लगी। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में शक्ति परीक्षण प्रथम विश्व युद्ध का एक कारण बना।

अथवा

प्रश्न—प्राचीन एथेंस और स्पार्टा की जीवन शैली में क्या अन्तर था ?

उत्तर—प्राचीन एथेंस धनी और सुसंस्कृत थे। वे लेखक, दार्शनिक, कलाकार और चिंतक थे जबकि स्पार्टा कला, विज्ञान, साहित्य और मूर्तिकला में अग्रणी थे। इनके बीच खासी प्रतिद्वंद्विता थी।

प्रश्न 24. भारत छोड़ो आन्दोलन क्यों चलाया गया ?

उत्तर—क्रिप्स मिशन के असफल हो जाने से भारतीयों के मन खिन्न हो गए तथा यह महसूस किया जाने लगा कि अब समय आ गया है कि एक जन-आन्दोलन ब्रिटिश सरकार के खिलाफ प्रारम्भ किया जाए। भारतीय लोगों में असन्तोष बढ़ता जा रहा था क्योंकि युद्ध काल में अभाव व बेरोजगारी बढ़ गई।

अथवा

प्रश्न—गाँधी जी की डांडी मार्च घटना को समझाइये।

उत्तर—12 मार्च, 1930 के ऐतिहासिक डांडी मार्च के द्वारा गाँधी जी ने अपने 75 साथियों के साथ 375 किमी पैदल यात्रा कर साबरमती आश्रम अहमदाबाद से गुजरात के तटवर्ती गाँव डांडी पहुँचे। बहुत से लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया और गाँधी जी के "य चरखे पर सूत कातते पूरा-पूरा दिन व्यतीत किया। 6 अप्रैल, 1930 को डांडी पहुँचकर गाँधी जी ने समुद्र के पानी से नमक बनाकर नमक कानून को तोड़ा तथा मुट्ठी भर नमक लेकर भारतीय लोगों द्वारा इस काले कानून को न मानने के प्रतीक के रूप में विद्रोह किया। इसके बाद गाँधी जी ने लोगों से 6 से 11 अप्रैल के राष्ट्रीय सप्ताह मनाने का आग्रह किया।

प्रश्न 25. शीत ऋतु एवं ग्रीष्म ऋतु में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर— शीत ऋत और ग्रीष्म ऋतु में अन्तर

शीत ऋतु	ग्रीष्म ऋतु
1. दिसम्बर, जनवरी तथा फरवरी में शीत ऋतु होती है।	1. मार्च, अप्रैल और मई में ग्रीष्म ऋतु होती है।
2. तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर घटता है।	2. तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ने लगता है।
3. सामान्यत: दक्षिणी भारत से सागरीय प्रभाव के कारण शीत चक्र नहीं होती है।	

अथवा

प्रश्न—वन्य जीवों का संरक्षण क्यों आवश्यक है ?

उत्तर—वन्य जीवों से वन की शोभा बढ़ाते हैं। दूर से पर्यटक वन्य प्राणियों को देखने के लिए आते हैं। वन्य प्राणी हमारे लिए विभिन्न प्रकार से उपयोगी हैं, इनसे गर्म कपड़े, कालीन, कंबल तैयार किये जाते हैं। पारिस्थितिक संतुलन के लिए वन्य प्राणियों का संरक्षण आवश्यक है। वर्तमान

में अनियंत्रित शिखर एवं वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण कई वन्य प्राणी विलुप्त होते जा रहे हैं।

प्रश्न 26. राष्ट्रीय जनसंख्या नीति क्या है ?

उत्तर—सन् 1952 से भारत जनसंख्या नीतियों को लागू करता रहा है। इन नीतियों के मुख्य उद्देश्य देश के विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना तथा लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना रहता है। इन नीतियों के परिणामस्वरूप जन्म व मृत्यु दरों में कमी हुई है। परिवार नियोजन/परिवार कल्याण के कार्यक्रमों में अधिकांश लोगों ने रुचि दिखाई है। राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 का लक्ष्य सन् 2045 तक देश की जनसंख्या को स्थिर करना है। इस नीति में आर्थिक प्रगति, सामाजिक विकास तथा पर्यावरण सुरक्षा पर भी बल दिया गया है। इस नीति में किशोर जनसंख्या पर विशेष रूप से बल दिया गया है।

अथवा

प्रश्न—सड़कों के महत्व को समझाइये।

उत्तर—सड़कों के द्वारा वस्तुएँ और माल सीधे उपभोक्ता के घर तक या कारखानों में पहुँच जाता है। पहाड़ी ऊबड़-खाबड़, रेगिस्तानी, दलदली, सब तरह की भूमि पर सड़क बनाई जा सकती है। बस, ट्रक, कार आदि सड़क पर कहीं भी रुककर सवारी और सामान ले सकते हैं। जल्दी खराब होने वाली चीजें जैसे—दूध, फल, सब्जियों के शीघ्र परिवहन के लिए सड़कें बहुत उपयुक्त हैं।

प्रश्न 27. भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, इसका क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—भारत के संविधान में ऐसी व्यवस्था की गई है कि जिनके आधार पर भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य का स्वरूप प्राप्त हो गया है। भारत के कोई भी व्यक्ति अंत:करण की स्वतंत्रता के आधार पर किसी भी धर्म के मानने, उसका आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार रखता है। प्रत्येक सम्प्रदाय को धार्मिक संस्थाओं की स्थापना करने की स्वतंत्रता है इसलिए भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा गया है।

अथवा

प्रश्न—हमारे संविधान में अल्पसंख्यकों एवं "छड़े वर्गों के लिए कौन-कौन सी व्यवस्था की गई है ?

उत्तर—हमारे संविधान में अल्पसंख्यक वर्गों के हितों के संरक्षण के लिये उन्हें अपनी रुचि की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना, उनकी स्वभाषा, स्वलि" तथा स्वसंस्कृति के पालन की स्वीकृति देने की व्यवस्था की गई है। साथ ही "छड़े वर्ग के कल्याण के लिए नौकरी में आरक्षण एवं उन्नति के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रश्न 28. राष्ट्रीय मानवाधिकार के चार कार्य लिखिए।

उत्तर—राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के चार कार्य—

(1) मानवाधिकार के उल्लंघन के कृत्य की जाँच करना।

(2) किसी लोक अधिकारी द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन के मामले को रोकने में की गयी उपेक्षा की जाँच।

(3) राज्य की जेलों अथवा अन्य बंदीगृहों का दौरा कर वहाँ विद्यमान स्थिति की जाँच करना तथा सुझाव देना।

(3) आतंकवादी गतिविधियों पर रोक सम्बन्धी सुझाव देना।

अथवा

प्रश्न—जनभागीदारी की चार महत्वपूर्ण गतिविधियों को लिखिए।

उत्तर—जनभागीदारी की चार महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं—

(1) जुलूस, आमसभा, धरना, प्रदर्शन आदि में भाग लेना।

(2) मतदान करना तथा दूसरों को मतदान के लिए प्रेरित करना।

(3) निर्वाचन जनप्रतिनिधि से मिलना-जुलना।
(4) राजनीतिक विचारों का प्रसार करना।

प्रश्न 29. विधानसभा अध्यक्ष के क्या कार्य हैं ?

उत्तर—विधानसभा अध्यक्ष के मुख्य कार्य निम्न प्रकार हैं—
(1) वह विधानसभा की बैठकों की अध्यक्षता करता है।
(2) वह सदन के सदस्यों को भाषण देने की अनुमति प्रदान करता है।
(3) सदन में शांति तथा व्यवस्था बनाये रखता है।
(4) कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इस बात पर निर्णय करता है।

अथवा

प्रश्न—विधानसभा सदस्यों की क्या योग्यताएँ हैं ?

उत्तर—विधानसभा के सदस्यों की योग्यताएँ—
(1) वह भारत का नागरिक हो।
(2) 25 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो।
(3) सरकारी सेवा में न हो।
(4) किसी संसदीय कानून द्वारा निर्धारित अन्य योग्यताओं को धारण करता हो।

प्रश्न 30. राज्यपाल पद का कार्यकाल एवं योग्यता लिखिए।

उत्तर—कार्यकाल—राज्यपाल का कार्यकाल पाँच वर्ष का होता है।

योग्यताएँ—(1) वह भारत का नागरिक हो।
(2) कम से कम 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
(3) वह पागल या दिवालिया न हो।
(4) केन्द्रीय संसद या किसी राज्य विधानसभा का सदस्य हो।

अथवा

प्रश्न—नगरपालिका के पाँच कार्यों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—नगरपालिका के पाँच कार्य निम्नलिखित हैं—
(1) शहर/कस्बों के विकास के लिए योजना बनाना।
(2) कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करना।
(3) पार्क, खेल का मैदान, सड़कें, पुल का रख-रखाव एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु उपाय करना।
(4) सामाजिक व आर्थिक विकास हेतु योजना बनाना।
(5) झुग्गी-बस्तियों एवं गंदी बस्तियों का सुधार एवं उन्हें उन्नत करना।

प्रश्न 31. शीत युद्ध के चार कारणों को वर्णन सहित लिखिये।

उत्तर—शीत युद्ध के चार कारण निम्नलिखित हैं—

(1) रूस और अमेरिका में मतभेद—द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विभिन्न कारणों से रूस और अमेरिका में जटिल मतभेद उत्पन्न हुए। जर्मनी के नि:शस्त्रीकरण, साम्यवादी चीन की मान्यता, कोरियाई युद्ध आदि प्रश्नों पर मतभेद उग्र होते गये।

(2) तटस्थ देशों पर शंका—भारत जैसे बहुत से देश जो तटस्थता की नीति के पक्षधर थे और रूस सहित देशों से भिन्नतापूर्ण सम्बन्ध रखना चाहते थे। इन देशों को अमेरिका और उसके सहयोगी शंका की दृष्टि से देखते थे।

(3) साम्यवादी देशों का उदय—पोलैण्ड, हंगरी, चेकोस्लोवाकिया आदि देशों में साम्यवादी सरकारों की स्थापना से अमेरिका, ब्रिटेन और पश्चिमी यूरोप के अन्य देश सशंकित हो उठे और वे साम्यवाद को रोकने को भी तैयार थे।

(4) संयुक्त राष्ट्र की असफलता—संयुक्त राष्ट्र साम्यवादी एवं पूँजीवादी दोनों गुटों के

देशों के मन से एक दूसरे के प्रति शक, वैमनस्य और भय के विचारों को दूर करने में असफल सिद्ध हुआ। इसलिए आज भी युद्ध का वातावरण बना हुआ है।

अथवा

प्रश्न—शीत युद्ध के कोई चार परिणामों को वर्णन सहित लिखिये।

उत्तर—शीत युद्ध के चार परिणाम निम्नलिखित हैं—

(1) संयुक्त राष्ट्र संघ के महत्व का कम होना—शीत युद्ध ने संयुक्त राष्ट्रसंघ के महत्व को कम कर दिया। संयुक्त राष्ट्र संघ का मंच महाशक्तियों की राजनीति का अखाड़ा बन गया। सुरक्षा परिषद जैसी महत्वपूर्ण संस्था वीटो के अनियन्त्रित प्रयोग के कारण अपना दायित्व पूर्ण करने में असफल रही।

(2) सैनिक गुटबन्दी एवं शस्त्रों की होड़—शीत युद्ध के परिणामस्वरूप सैनिक गुटों का निर्माण हुआ तथा इन गुटों ने अपने-अपने पक्ष के सदस्य देशों को सैनिक दृष्टि से मजबूत बनाना प्रारम्भ कर दिया। गुटबंदी के कारण विश्व में तनाव बढ़ा तथा विनाशकारी शस्त्रों के निर्माण की दौड़ शुरू हो गई।

(3) विश्व का दो गुटों में विभाजन—शीत युद्ध के फलस्वरूप विश्व का दो गुटों में विभाजन हो गया। सोवियत संघ साम्यवाद का तथा अमेरिका पूँजीवादी गुट का नेतृत्व करने लगा।

(4) विश्व के विकास पर विपरीत प्रभाव—शीत युद्ध के कारण हथियारों के निर्माण पर असीमित धन खर्च किया गया। यदि इनका प्रयोग शांतिपूर्ण कार्यों में खर्च किया रहता तो बहुत हद तक गरीबी को विश्व से दूर किया जा सकता था।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

प्रश्न 32. विश्व सभ्यता को भारत के योगदान पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—विश्व सभ्यता को भारत के योगदान के निम्न बिन्दुओं पर वर्णन किया जा सकता है—

विज्ञान के क्षेत्र में—भारत विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीनकाल से आगे रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में चरक और सुश्रुत का नाम सर्व"य है। वे क्रमशः आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा के प्रणेता माने जाते हैं। ज्योतिषशास्त्र में आर्यभट्ट और बाराहमिहिर का नाम अविस्मरणीय है। नागार्जुन विश्व विख्यात रसायनशास्त्री थे।

गणित के क्षेत्र में—गणित का दशमलव प्रणाली, स्थानीय मान, शून्य का आविष्कार, अंकगणित/बीजगणित आदि के शोध में भारत का योगदान उल्लेखनीय है। वैदिक गणित भी भारत की मौलिक उपलब्धि है।

शिक्षा के क्षेत्र में—प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला, वल्लभी, काशी और काँची जैसे शिक्षा के केन्द्र थे, जहाँ विदेशों से भी छात्र ज्ञानार्जन के लिए आया करते थे। भारतीय ज्ञान और विद्वता ने सदैव विदेशियों को लोहा मनवाया है।

कला के क्षेत्र में—प्राचीन भारतीयों ने कला, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला से भी संसार को आश्चर्यचकित किया है। अजन्ता व एलोरा की गुफाएँ, अशोक के लाट, सांची के स्तूप, ताज. महल, गेटवे ऑफ इंडिया, मथुरा के बुद्ध के चित्र भारतीय कला की उत्कृष्टता के बेजोड़ उदाहरण हैं।

साहित्य के क्षेत्र में—अनादिकाल से भारतीय साहित्य की सर्वोत्कृष्टता के प्रमाण मिलते हैं। वेद, सूत्र महाकाव्य, स्मृति, त्रि"टक, आगम आदि भारत के प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ हैं। आचार्य भरतमुनि को नाट्यशास्त्र का जन्मदाता माना जाता है। कालिदास, बाणभट्ट, हरिसेन, विशाखदत्त, भास, शूद्रक प्रभृति संस्कृत साहित्य के पुरोधा कलमकार हैं। संस्कृत, पाली और प्राकृत साहित्य की सफलता से भारतीय साहित्य का भण्डार सुसज्जित है।

संस्कृति के क्षेत्र में—भारतीय संस्कृति विश्व की अनुपम संस्कृति है। इसकी विशिष्टता को रेखांकित करते हुए कवि ने कहा है—

''यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गए जहाँ से,

कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।''

अथवा

प्रश्न—फ्रांस की क्रांति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—फ्रांस की क्रांति के निम्नलिखित कारण थे—

(1) निरंकुश राजतंत्र—फ्रांस का शासक लुई 16वां निरंकुश था और उसकी रानी बहुत अपव्ययी थी।

(2) किसानों की बुरी दशा—किसानों और मजदूरों की दशा बहुत खराब थी। मौसम के खराब हो जाने पर उन्हें भुखमरी का सामना करना पड़ता था। करों का भार था। उन्हें बेगार करनी पड़ती थी।

(3) आर्थिक संकट—राज्य को एक बड़े आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। लुई 16वां सरकारी कार्यों से उदासीन रहता था। उसकी मूर्ख पत्नी उत्सवों में काफी रुपये लुटाती थी। युद्धों ने आर्थिक दशा को और बिगाड़ दिया था।

(4) नागरिक स्वतंत्रता पर प्रतिबन्ध—मालिक की इच्छा के और उससे अच्छे आचरण का प्रमाण पत्र लिए बिना कोई मजदूर दूसरी नौकरी नहीं कर सकता था। प्रमाण पत्र न होने पर उन्हें बंदी बनाया जा सकता था।

(5) तर्कवाद का प्रसार—बुद्धिजीवियों ने अन्धविश्वास के विरुद्ध तर्क पर बल दिया, तत्कालीन विचारों को खण्डित करने में पूर्णत: सक्षम था।

(6) धार्मिक स्वतंत्रता का अभाव—कैथोलिकों से अधिकांश जनता अप्रसन्न थी। वह इनसे मुक्त होना चाहते थे।

प्रश्न 33. एशियाई और अफ्रीकी देशों की जनता में राष्ट्रीय चेतना के विकास के कारण बताइये।

उत्तर—एशियाई और अफ्रीकी देशों की जनता में राष्ट्रीय चेतना के विकास के निम्नलिखित कारण हैं—

(1) साम्राज्यवाद का पतन—साम्राज्यवाद के कारण एशिया और अफ्रीका के अधिकांश देश आर्थिक शोषण और राजनीतिक प्रभुत्व के शिकार थे। अत: द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद साम्राज्यवाद के पतन के साथ ही इन देशों में स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु राष्ट्रीय आन्दोलन शुरू कर दिये।

(2) उपनिवेशों में राष्ट्रीय आन्दोलन का विकास—अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण और साम्राज्यवादी देशों के भीतर तथा बाहर का जनमत इन उपनिवेशों की आजादी के पक्ष में था।

(3) गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की स्थापना—1961 में बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की स्थापना के साथ ही इन देशों ने तया किया कि वे किसी गुट में शामिल नहीं होंगे और स्वतंत्र नीति पर चलेंगे।

(4) संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना—विश्व शांति व्यवस्था तथा आर्थिक-सामाजिक विकास के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 1945 में हुई। इससे एशिया और अफ्रीकी देशों में सामाजिक समानता एवं आर्थिक विकास की सम्भावना बढ़ी। इसके परिणामस्वरूप नस्लवादी भेदभाव एवं रंगभेद नीति की जन आन्दोलन की शुरुआत हुई।

अथवा

प्रश्न—भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गरम दल के उदय के कारणों पर प्रकाश डालिए

उत्तर—भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गरम दल के उदय के निम्न कारण हैं—

(1) उदारवादियों की मांगों का पूर्ण न होना।

(2) आर्थिक शोषण की ब्रिटिश उपनिवेशवादी नीति का प्रकटीकरण।

(3) समाज सुधारकों का प्रभाव।

(4) प्रेस तथा साहित्य।

(5) अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं का योगदान।

(6) लार्ड कर्जन की दमन की नीति।

प्रश्न 34. भारतीय कृषकों पर अंग्रेजी राज्य का क्या असर पड़ा ? व्याख्या कीजिए।

उत्तर—भारतीय कृषकों पर अंग्रेजी राज्य का निम्न असर पड़ा—

(1) भूमि बंदोबस्त—स्थाई बंदोबस्त के द्वारा राजस्व वसूली का काम जमींदारों को सौंप दिया गया और उनको उगाहे हुए लगान का लगभग दसवां भाग या ग्यारहवां भाग राज्य को देना पड़ता था।

रैयतवारी बंदोबस्त में किसानों पर लगान तय किया। अंग्रेज सरकार इसको जब चाहे बढ़ा सकती थी और यदि किसान समय से लगान नहीं अदा कर पाता तो उसे बेदखल भी किया जा सकता था।

(2) खेती का व्यापारीकरण—खेती का वाणिज्यीकरण ने भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के परम्परागत ढांचे को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया। मौजूदा ग्रामीण ढांचे की नई भूमि व्यवस्था पहले ही कमजोर कर चुकी थी। अब खेती भी व्यापारीकरण के फैलने से चकनाचूर हो गई। वाणिज्यीकरण ने किसानों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर डाला।

(3) गरीबी और ग्रामीण कर्जदारी—अंग्रेजों द्वारा भारी शोषण किए जाने के कारण ग्रामीण आबादी का बड़ा हिस्सा घोर निर्धनता के अंधेरे में रहता था। उनकी दुर्दशा का एक अन्य कारण गैर-कानूनी दोहन तथा जमींदारों का अत्याचार था। राजस्व की वसूली का ढंग कड़ा था और खेती में सुधार करने पर बहुत कम निवेश किया गया था।

(4) खेतिहर मजदूरों की संख्या में वृद्धि—भारतीय किसानों के एक बड़े भारी हिस्से की दशा खराब होने से खेतिहर मजदूरों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई। ग्रामीण आबादी में गरीब किसानों तथा खेतिहार मजदूरों का बहुमत हो गया। खेती की जमीन का एक बड़ा हिस्सा जमींदारों और साहूकारों के कब्जे में पहुँच गया। इस पूरी प्रक्रिया में राजनीतिक शक्ति तथा अंग्रेजों के प्रभाव ने मुख्य भूमिका अदा की।

अथवा

प्रश्न—1857 के आन्दोलन के मुख्य कारणों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—सन् 1857 ई. के आन्दोलन के मुख्य कारण निम्न हैं—

(1) राजनीतिक कारण—देशी राज्यों को अपने राज्य में मिलाने की नीति गवर्नर-जनरल लार्ड डलहौजी द्वारा चूक के सिद्धान्त को मनमाने ढंग से लागू करना और राजाओं और सामंतों की पेंशन उपाधियों को समाप्त करने जैसे कारणों के साथ अवध पर अंग्रेजों के कब्जे में आग में घी डालने का काम किया।

(2) सामाजिक-धार्मिक कारण—ईसाइयों के धर्म प्रचार करने, लोगों को लालच देकर ईसाई बनाने, सती प्रथा बंद करने, विधवा विवाह को लागू करने, हिन्दू धर्म की निंदा करने आदि से भारतीय जनता अंग्रेजों के विरुद्ध हो गई।

(3) आर्थिक कारण—अंग्रेजों की आर्थिक और प्रशासनिक नीतियों ने देशी राजघरानों, उनके आश्रितों, परम्परागत जमींदारों, ताल्लुकदारों, किसानों, कारीगरों और दस्तकारी अर्थात् सबको प्रभावित किया था।

(4) सैनिक कारण—नागरिक और सैनिक सभी ऊँचे पद के यूरो"यनों के लिए आरक्षित थे। इसके साथ-साथ कम्पनी का प्रशासन तंत्र और उसकी न्यायिक व्यवस्था अयोग्य, भ्रष्ट और अत्याचारी प्रतीत होती थी। नस्ल के आधार पर खुलेआम भेदभाव होता था।

प्रश्न 35. सामाजिक न्याय की अवधारणा किन बातों पर निर्भर करती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—सामाजिक न्याय की अवधारणा अग्र बातों पर निर्भर करती है—

(1) सम्पत्ति पर नियंत्रण और अधिकार।

(2) उत्पादन के साधनों का स्वामित्व।
(3) न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति और रोजगार की गारण्टी।
(4) प्रगति और विकास के लिए समान अवसर।
(5) काम और सेवाओं के लिए उचित मजदूरी।
(6) सरकार और अर्थव्यवस्था में भागीदारी।

अथवा

प्रश्न—जल प्रदूषण से क्या अभिप्राय है? उसके प्रभावों को लिखिये।

उत्तर—जल प्रदूषण का अर्थ—जल में अनेक प्रकार के खनिज, कार्बनिक तथा अकार्बनिक पदार्थों तथा गैसों के एक निश्चित अनुपात से अधिक या अन्य अनावश्यक तथा हानिकारक पदार्थ घुले होने से जल प्रदूषित होता है।

प्रभाव—(1) जल प्रदूषण के कारण अनेक प्रकार की बीमारियाँ महामारी के रूप में फैल सकती हैं। हैजा, टाइफाइड, पेचिश, पोलियो आदि रोगों के रोगाणुओं द्वारा प्रदूषित जल ही शरीर में पहुँचता है।

(2) नदी, तालाब आदि का प्रदूषित जल, उसे पीने वाले पशुओं, मवेशियों आदि में भयंकर बीमारियाँ उत्पन्न करती हैं।

(3) जल में रहने वाले जन्तु और पौधे प्रदूषित जल से नष्ट हो जाते हैं या उनमें अनेक प्रकार के रोग लग जाते हैं। जल में विषैले पदार्थों के कण नीचे बैठ जाते हैं।

(4) जलीय जीवों के नष्ट होने से खाद्य पदार्थों की हानि होती है। ऑक्सीजन की कमी के कारण मछलियाँ बड़ी संख्या में मर जाती हैं।

प्रश्न 36. देश के आर्थिक विकास में नदियों के योगदान की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—देश के आर्थिक विकास में नदियों का योगदान—

(1) उपजाऊ भूमि का निर्माण—नदियाँ उपजाऊ भूमि (बांगर एवं खादर) का निर्माण करती हैं। कछारी भूमि कृषि के लिये काफी उपजाऊ होती है।

(2) जल विद्युत उत्पादन—बाँधों के निर्माण से झीलों में जल रोककर उसे ऊँचाई से टरबाइन पर गिराकर जल विद्युत का उत्पादन किया जाता है। जैसे—उड़ीसा में हीराकुड बाँध महानदी पर बनाया गया।

(3) औद्योगिक विकास—औद्योगिक विकास के लिये ऊर्जा जल विद्युत तथा स्वच्छ जल इन लघु उद्देशीय परियोजनाओं से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। जैसे—दामोदर घाटी परियोजना।

(4) बाढ़ नियंत्रण तथा मृदा संरक्षण—बहुउद्देशीय परियोजनाओं के अन्तर्गत किसी मुख्य नदी तथा उसकी सहायक नदियों पर विशाल बाँध का निर्माण किया जाता है। बाढ़ के समय नदियों का अतिरिक्त जल झीलों में रोक लिया जाता है। इससे बाढ़ नियंत्रित हो जाती है, साथ ही बाढ़ से मृदा अपरदन सुरक्षित हो जाती है। जैसे—दामोदर घाटी परियोजना से दामोदर नदी के भीषण बाढ़ों से बिहार व पश्चिम बंगाल को मुक्ति मिल चुकी है।

अथवा

प्रश्न—बहुउद्देशीय नदी-घाटी योजनाओं को आधुनिक भारत में मंदिर क्यों कहते हैं ?

उत्तर—बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं को मंदिर कहने के निम्न कारण हैं—

(1) जल विद्युत उत्पादन—इन परियोजनाओं से जल विद्युत का उत्पादन भी किया जाता है। भारी लागत और लम्बे निर्माणकाल के बावजूद यह कम खर्चा का साबित होता है।

(2) बाढ़ नियंत्रण—बाँधों के पीछे बनी झीलों में वर्षा के जल को इकट्ठा करके बाढ़ों को रोकने का प्रयास किया गया है। अनेक नदी-घाटी परियोजनाएँ बाढ़ नियंत्रण में काफी सहायक सिद्ध हुई हैं।

(3) औद्योगिक विकास—औद्योगिक विकास के लिए ऊर्जा जल विद्युत तथा स्वच्छ जल

इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। जैसे—दक्षिण-पूर्वी बिहार, पश्चिम बंगाल के उद्योगों को दामोदर घाटी परियोजना से जल विद्युत तथा स्वच्छ जल की आपूर्ति होती है।

(4) सिंचाई—बाँधों के पीछे बनी झीलों से नहरें निकालकर सिंचाई की जाती है। इन योजनाओं की सहायता से ही आज हम 33% से अधिक कृषि की सिंचाई करने में समर्थ हो गये हैं।

(5) मत्स्य पालन—बाँधों के पीछे बनी कृत्रिम झीलों में वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन किया जाता है। इससे लोगों की रोजी-रोटी चल रही है।

(6) मनोरंजन और पर्यटन—ये परियोजनाएँ आकर्षण पर्यटन केन्द्र बन गई हैं। अनेक पर्यटक मनोरंजन के लिए यहाँ आते हैं।

प्रश्न 37. जनसंख्या की संरचना क्या है ? सविस्तार समझाइये।

उत्तर—जनसंख्या संरचना के दो पहलू हैं—प्रथम, संख्यात्मक पहलू के अन्तर्गत जनसंख्या वृद्धि, बँटवारा एवं घनत्व आते हैं। द्वितीय गुणात्मक पहलू के अन्तर्गत ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या, लिंग अनुपात, आयु-वर्ग एवं साक्षरता का अध्ययन किया जाता है।

(1) जनसंख्या वृद्धि—जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी देश में रहने वाले लोगों की कुल जनसंख्या में होने वाली वृद्धि से है।

(2) जनसंख्या का वितरण—लोगों के भू-क्षेत्र पर फैलाव के ढंग को जनंसख्या का वितरण कहते हैं। इनमें से एक तरीके के अनुसार देश के मानचित्र पर प्रदर्शित करते हुए जनसंख्या के वितरण का तुलनात्मक अध्ययन किया जाता है।

(3) जनसंख्या घनत्व—जनसंख्या घनत्व के किसी स्थान विशेष्य पर संकेन्द्रण को घनत्व के द्वारा जाना जाता है। इसे प्रति वर्ग किलोमीटर में लोगों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(4) लिंग अनुपात—किसी देश या दिये गये क्षेत्र की कुल जनसंख्या में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं। यह एक निष्पक्ष सामाजिक संकेतक है जो समाज में विद्यमान महिलाओं व पुरुषों की समानता का मापक है।

(5) आयु वर्ग—भारत की जनसंख्या को मुख्यत: तीन आयु-वर्गों में बाँटा जाता है—(क) बच्चे, (ख) प्रौढ़, (ग) बूढ़े (60 वर्ष से अधिक)। बच्चे और बूढ़े आश्रित जनसंख्या कहलाते हैं और कुल जनसंख्या में उनका भाग शत-प्रतिशत है।

(6) साक्षरता दर—भारत में साक्षरता दर 1951 में 18.81 प्रतिशत थी जो 2001 में बढ़कर 65.38 प्रतिशत हो गई। केरल में साक्षरता दर सबसे ऊँची 90.92 प्रतिशत है।

अथवा

प्रश्न—भारत में संस्कृति में विविधता के बाद भी एकता है, समझाइये।

उत्तर—भारतीय संस्कृति में निम्न विविधताओं के बाद भी एकता है—

(1) भौगोलिक विविधता में एकता—भौगोलिक दृष्टि से भारत में अनेक विषमता व्याप्त हैं। यह उष्ण एवं समशीतोष्ण कटिबंधों की जलवायु का प्रदेश है। चेरापूँजी में जहाँ वर्ष में लगभग 600 इंच वर्षा होती है वहीं राजस्थान के मरुस्थल में 5 इंच से भी कम वर्षा होती है। जहाँ अधिक उपजाऊ वाली कछारी जमीन है, वहीं कम ऊपजाऊ वाली पहाड़ी क्षेत्र व ऊँचा हिमालय पर्वत उसके नीचे मैदानी भाग हैं।

(2) ऐतिहासिक विविधता में एकता—प्राचीनकाल से ही भारत में विभिन्न धर्मों एवं प्रजातियों के लोग आते रहे हैं। उनके इतिहास में विभिन्नता का होना आवश्यक है, किन्तु जब वे भारत में स्थायी रूप से बस गए तो उन्होंने एक समन्वित संस्कृति एवं सामान्य इतिहास का निर्माण किया, इसका अपना अलग इतिहास नहीं रह गया।

(3) धार्मिक विविधता में एकता—भारत में अनेक धर्म के लोग रहते हैं। इनकी मान्यताएँ, पूजा-पाठ करने का ढंग व रीति-रिवाज अलग-अलग होते हैं। सभी धर्मों की मूल मान्यताएँ

अध्यात्मवाद, ईश्वर, नैतिकता, दया, पाप-पुण्य, स्वर्ग-नरक आदि समान हैं।

(4) जातीय विविधता में एकता—भारत में लगभग 3000 जातियाँ एवं उपजातियाँ पाई जाती हैं जिनके अपने रीति-रिवाज एवं प्रथाएँ हैं जो एक-दूसरे से भिन्न हैं। इस दृष्टि से यहाँ जातीय भिन्नता देखी जा सकती है, लेकिन ये सभी जातियाँ जजमानी व्यवस्था के आधार पर परस्पर निर्भरता का निर्माण करती हैं तथा एकसूत्र में बँध जाती हैं।

(5) सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता में एकता—भारत के विभिन्न क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के परिवार, विवाह, रीति-रिवाजों, वस्त्र शैली आदि में पर्याप्त भिन्नता पायी जाती है। इसके बावजूद भारतीय समाज में एकता पायी जाती है। संयुक्त परिवार प्रणाली, जाति प्रथा, पंचायत, गोत्र, वंश व्यवस्था भारतीय समाज के आधार रहे हैं।

प्रश्न 38. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ—

(1) सबसे बड़ा लिखित संविधान—विश्व के अन्य संविधानों की तुलना में भारतीय संविधान सर्वाधिक बड़ा लिखित संविधान है।

(2) इकहरी नागरिकता—सभी नागरिक मात्र भारत संघ के नागरिक हैं, अपने राज्यों के नहीं। राज्य के वे मूल निवासी हो सकते हैं, लेकिन वे सिर्फ भारत के ही हो सकते हैं।

(3) वयस्क मताधिकार—संविधान के सार्वजनिक वयस्क मताधिकार को अपनाया है। वयस्क मताधिकार की आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।

(4) राष्ट्र भाषा का प्रभाव—हिन्दी को देवनागरी लि" में भारत की राष्ट्र भाषा घोषित करता है।

(5) कठोरता और लचीलापन—भारतीय संविधान में परिस्थितियों के अनुरूप परिवर्तन, परिशोधन किये जा सकते हैं। इसका एक मात्र अधिकार भारतीय संसद को है।

(6) संसदीय शासन प्रणाली—भारतीय शासन की एक विशेषता यह है कि यह संसदीय शासन प्रणाली की घोषणा करता है। इस प्रणाली में राष्ट्रपति कार्यपालिका का प्रधान होता है, परन्तु जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं और सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

(7) संघीय प्रणाली—भारतीय संविधान में संघात्मक व्यवस्था के लगभग सभी लक्षण विद्यमान हैं, यद्य" उनका स्वरूप यहाँ की परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया गया है। संविधान की सर्वोच्चता संघीय प्रणाली की अनिवार्य शर्त है। भारत में शक्ति विभाजन के तहत संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय रखे गये हैं।

अथवा

प्रश्न—अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में आने वाली बाधाओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में आने वाली बाधाएँ निम्नलिखित हैं—

(1) उदासीनता—अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में उदासीनता बहुत बड़ी बाधा है।

(2) जन जागरूकता में कमी—हर व्यक्ति को देश में होने वाली घटनाओं में रुचि लेना चाहिए। बच्चों को जागरूक और प्रबुद्ध बनने की सीख देनी चाहिए अन्यथा वे अच्छे नागरिक नहीं बन पायेंगे।

(3) शिक्षा का अभाव—शिक्षा का अभाव अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में बड़ी बाधा है। निरक्षर व्यक्ति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों का महत्व नहीं समझ पाते।

(4) अंधविश्वास एवं कुप्रथा—आज भी लोग कम उम्र में विवाह और दहेज में विश्वास करते हैं। यह अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में बाधा है।

(5) जातिवाद एवं साम्प्रदायिक की भावना—कुछ लोगों में जातिवाद और साम्प्रदायिकता की संकीर्ण मानसिकता उसके अच्छे नागरिक बनने के मार्ग में बाधा उपस्थित करती है।

(6) गरीबी—अच्छी नागरिकता के गुणों के निर्माण में एक प्रमुख बाधा है।

●●

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2012

कक्षा 10वीं

विषय—सामाजिक विज्ञान

सेट—2

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश—(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 22 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 120 शब्द है।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन-सी दूरसंचार सेवा नवीनतम है ?

(अ) टेलीफोन (ब) टेलीग्राम

(स) चलित फोन (द) एस. टी. डी.।

उत्तर—(स) चलित फोन।

प्रश्न 2. निम्न में से प्रदूषण नहीं है—

(अ) जल प्रदूषण (ब) वायु प्रदूषण

(स) ध्वनि प्रदूषण (द) अंतरिक्ष।

उत्तर—(द) अंतरिक्ष।

प्रश्न 3. 10 मई, 1857 को किस स्थान के सिपाहियों ने खुलेआम बगावत कर दी ?

(अ) बंगाल (ब) काशी

(स) बिहार (द) मेरठ।

उत्तर—(द) मेरठ।

प्रश्न 4. जर्मनी का एकीकरण किस नेता के नेतृत्व में सफल रहा ?

(अ) काफूर (ब) मैजनी

(स) बिस्मार्क (द) नेपोलियन।

उत्तर—(स) बिस्मार्क।

एक शब्द में उत्तर दीजिए—

प्रश्न 5. भारतीय विदेश नीति का एकमात्र लक्ष्य क्या है ?

उत्तर—भारतीय विदेश नीति का एकमात्र लक्ष्य 'विश्व शांति' है।

प्रश्न 6. भारत में बेहतर सरकार एक्ट कब पारित हुआ ?

उत्तर—भारत में बेहतर सरकार एक्ट सन् 1858 को पारित हुआ।

प्रश्न 7. मनुष्य ने सबसे पहले किस धातु का प्रयोग किया ?

उत्तर—मनुष्य ने सबसे पहले 'ताँबा और कांस्य' धातु का प्रयोग किया।

प्रश्न 8. परिवार नियोजन कार्यक्रम का नाम 1977 में बदलकर क्या रखा गया है ?

उत्तर—परिवार नियोजन कार्यक्रम का नया नाम 'परिवार कल्याण' रखा गया।

प्रश्न 9. कौन-सी मिट्टी कपास की कृषि के लिए प्रसिद्ध है ?

उत्तर—काली मिट्टी कपास की कृषि के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 10. किसने जाति प्रथा का उन्मूलन किया ?

उत्तर—दयानंद सरस्वती ने जाति प्रथा का उल्मूलन किया।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

प्रश्न 11. अमेरिकी नागरिक अधिकार आन्दोलन का नेतृत्व ..... ने किया।

उत्तर—मार्टिन लूथर किंगा।

प्रश्न 12. मलवाड़ी व्यवस्था ..... में शुरू की गई।

उत्तर—1822.

प्रश्न 13. कार्यकाल पूरा होने के पहले ..... लोकसभा को भंग कर सकता है।

उत्तर—राष्ट्रपति।

प्रश्न 14. इस समय सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त ..... अन्य न्यायाधीश हैं।

उत्तर—सात।

प्रश्न 15. महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बिना भेद-भाव के एक समान..... की जरूरत है।

उत्तर—नागरिक कानून।

प्रश्न 16. किसी स्थान का पर्यावरण प्राकृतिक घटकों और ..... घटकों का सम्मिश्रण होता है।

उत्तर—निर्मित।

'क' वर्ग का 'ख' वर्ग से उचित सम्बन्ध जोड़िए—

'क' वर्ग	'ख' वर्ग
प्रश्न 17. अधिक जनसंख्या घनत्व	छ. ग.
प्रश्न 18. तेलुगूदेशम	असम
प्रश्न 19. असम गण परिषद	महाराष्ट्र
प्रश्न 20. शिव सेना	आन्ध्रप्रदेश
प्रश्न 21. मिजो नेशनल फ्रंट	केरल
प्रश्न 22. गोणवाना गणतंत्र पार्टी	मिजोरम

सही उत्तर (प्रश्न 17 से प्रश्न 22 तक)—

उत्तर—17–केरल, **उत्तर**—18–आन्ध्रप्रदेश,
उत्तर—19–असम, **उत्तर**—20–महाराष्ट्र,
उत्तर—21–मिजोरम, **उत्तर**—22–छ. ग.

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर—

प्रश्न 23. अशोक के अनुसार 'धर्म' क्या है ?

उत्तर—अशोक एक परोपकारी राजा था और उसने अपनी प्रजा की भलाई के लिए बहुत काम किए। 'धम्म' की उसकी नीति धार्मिक सहिष्णुता, बड़ों की इज्जत, बूढ़ों की देखभाल, दया, सत्य और शुद्धता पर आधारित थी।

अथवा

प्रश्न—यूरोप पर आटोमन साम्राज्य के पतन के कोई दो प्रभाव का वर्णन कीजिए।

उत्तर—यूरोप पर आटोमन साम्राज्य के पतन का प्रभाव—

(1) **सर्व-स्लाव आन्दोलन आरम्भ**—इस आन्दोलन की मुख्य माँग थी कि सभी स्लाव लोग एक ही राज्य में एकत्रित होकर सर्बिया राज्य में संगठित हो जाएँ।

(2) आस्ट्रिया सर्बिया के इस राष्ट्रीय आन्दोलन का विरोध कर रहा था। इसमें रूस व आस्ट्रिया के बीच प्रतिस्पर्द्धा उत्पन्न हो गई। आस्ट्रिया ने स्लाव राज्यों में बोस्निया तथा हर्जेगोविना को अपने अधिकार क्षेत्र में कर लिया।

प्रश्न 24. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उद्देश्यों को लिखिए।

उत्तर—(1) देश के विभिन्न भागों में राष्ट्रवादी कार्यकर्त्ताओं के परस्पर मित्रतापूर्ण सम्बन्धों का विकास करना।

(2) धर्म या प्रान्त का विचार किए बिना राष्ट्रीय एकता की भावना का विकास एवं उसे घनीभूत करना।

(3) देश में जनमत का संगठन और प्रशिक्षण।

(4) सरकार के सामने जनता से जुड़ी माँगों का सूत्रीकरण तथा उनकी प्रस्तुति।

(5) आगामी वर्षों के लिए राजनीतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा निर्धारित करना।

अथवा

प्रश्न—अगस्त प्रस्ताव क्या है ?

उत्तर—जुलाई 1940 में कांग्रेस ने युद्ध में सहायता करने के प्रयासों को सफल करने की पेशकश की, परन्तु साथ ही माँग रखी कि उसे स्वतंत्र कर दिया जाए। रामगढ़ के अपने अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल कलाम आजाद ने पूर्ण स्वतंत्रता की माँग को दोहराया। कांग्रेस की माँग पर वायसराय ने अगस्त 1940 में प्रस्ताव रखा जिसे 'अगस्त प्रस्ताव' कहा जाता है। इस प्रस्ताव में दो भाग हैं—

(1) युद्ध के बाद भारत को प्रभुत्व राज्य का दर्जा दिया जायेगा अर्थात् उसे स्वशासन का अधिकार प्राप्त हो जाएगा, परन्तु भारत ब्रिटिश साम्राज्य का भाग बना रहेगा।

(2) युद्ध के दौरान गवर्नर-जनरल की कार्यकारिणी परिषद में भारतीय सदस्यों को शामिल किया जाएगा।

प्रश्न 25. सड़कों के महत्व को समझाइये।

उत्तर—सड़कों के द्वारा वस्तुएँ और माल सीधे उपभोक्ता के घर तक या कारखानों में पहुँच

जाता है। पहाड़ी ऊबड़-खाबड़, रेगिस्तानी, दलदली, सब तरह की भूमि पर सड़क बनाई जा सकती है। बस, ट्रक, कार आदि सड़क पर कहीं भी रुककर सवारी और सामान ले सकते हैं। जल्दी खराब होने वाली चीजें जैसे—दूध, फल, सब्जियों के शीघ्र परिवहन के लिए सड़कें बहुत उपयुक्त हैं।

अथवा

प्रश्न—कृषि-आधारित उद्योग क्या हैं ? समझाइये।

उत्तर—उत्पादन और रोजगार के अवसर प्रदान करने की दृष्टि से भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि आधारित उद्योगों का महत्वपूर्ण स्थान है। ये उद्योग कच्चे माल के रूप में कृषि उत्पादों का उपयोग करते हैं। इनमें से अधिकतर उद्योग उपभोग की वस्तुएँ बनाते हैं। सूती वस्त्र, चीनी और खाद्य तेल उद्योग कुछ महत्वपूर्ण कृषि उद्योग हैं।

प्रश्न 26. जल संसाधन से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर—जल प्रकृति का बहुमूल्य उपहार है। जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सिंचाई, घरेलू तथा औद्योगिक कार्यों के लिए जल अनिवार्य है। नगरों में मल के निपटान के लिए जल आवश्यक है। जन-स्वास्थ्य और पनबिजली बनाने के लिए जल की बहुत माँग है। परमाणु बिजलीघरों, जलाशयों में मछली पालन, पर्यटन और जल-क्रीड़ाओं के लिये जल आवश्यक है। इस प्रकार मानव सभ्यता के अस्तित्व और विकास के लिये पेय जल की पर्याप्त आपूर्ति एक अनिवार्य शर्त है।

अथवा

प्रश्न—हरित क्रांति के चार महत्वपूर्ण लक्षणों को समझाइये।

उत्तर—हरित क्रांति के चार महत्वपूर्ण लक्षण निम्नलिखित हैं—

(1) कृषकों को नवीन, परिष्कृत तथा विकसित बीज उपलब्ध कराना तथा उनका अधिकाधिक प्रयोग बोआई से करना।

(2) कृषकों को आधुनिक ढंग की खाद बनाने तथा खेतों में प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करना।

(3) रासायनिक उर्वरकों के लाभ से कृषकों को परिचित कराकर उसका अधिकाधिक उपभोग करना।

(4) हरित क्रांति से कृषि की पैदावार में वृद्धि, कृषि के आधुनिक तौर-तरीके उनके उत्पादन में देखने को मिलते हैं।

प्रश्न 27. राज्य बच्चों की कौन-सी सुरक्षा के प्रति वचनबद्ध है ?

उत्तर—बाल मजदूरी का उन्मूलन, बच्चों का स्वतंत्र और गरिमामय वातावरण में स्वस्थ विकास के अवसर और सुविधाएँ प्रदान करना, बाल शोषण एवं बेगार प्रथा का अंत करना राज्य बच्चों के इन सुरक्षा के प्रति बचनबद्ध है। इसके अतिरिक्त राज्य में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की आवश्यकता की है।

अथवा

प्रश्न—चुनाव क्या है ? चुनाव आयोग के कार्य लिखिए।

उत्तर—चुनाव किसी पद (लोकसभा या विधानसभा) के लिए समर्थन या मत प्राप्त करने हेतु उम्मीदवारों के बीच स्पर्द्धा को कहते हैं।

चुनाव आयोग के कार्य—(1) मतदान केन्द्रों का निर्धारण, (2) मतपत्रों की छपाई या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का प्रबन्ध, (3) मतदान और सुरक्षाकर्मियों की तैनाती, (4) मतदान

सामग्री, जैसे—मतपेटियों, सील-मुहर आदि का वितरण, (5) मतगणना, (6) परिणाम घोषित करना, (7) कानून व्यवस्था करना।

प्रश्न 28. भारत एक धर्म-निरपेक्ष गणराज्य है। समझाइये।

उत्तर—भारत के संविधान में ऐसी व्यवस्था की गई है जिनके आधार पर भारत को धर्मनिरपेक्ष राज्य का स्वरूप प्राप्त हो गया है। भारत का कोई भी व्यक्ति अंत:करण की स्वतंत्रता के आधार पर किसी भी धर्म को मानने, उसका आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार रखता है। प्रत्येक सम्प्रदाय को धार्मिक संस्थाओं की स्थापना करने की स्वतंत्रता है। इसलिए भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा गया है।

अथवा

प्रश्न—धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—भारत का कोई भी व्यक्ति अंत:करण की स्वतंत्रता के आधार पर किसी भी धर्म को मानने का, उसका आचरण करने और प्रचार करने का अधिकार रखता है। प्रत्येक सम्प्रदाय को धार्मिक संस्थानों की स्थापना और पोषण करने, अपने विषयक कार्यों का प्रबन्ध करने तथा कानूनी तौर पर इस हेतु अर्थोपार्जन करने का अधिकार है। किसी व्यक्ति को ऐसा कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता जो किसी धर्म या सम्प्रदाय विशेष के प्रचार तथा संरक्षण के लिए लगाए जाते हैं। धर्म विशेष पर किये जाने वाले व्यय में करों से छूट दी गई है लेकिन यदि सरकार किसी धार्मिक सम्प्रदाय के लिए काम करती है तो उसके बदले में शुल्क ले सकती है। इसी प्रकार सरकार द्वारा दिये जाने वाले अनुदान से चलने वाली शाला किसी धर्म विशेष की शिक्षा नहीं देती।

प्रश्न 29. लोकसभा के सदस्य बनने के लिए जरूरी योग्यता का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—लोकसभा का सदस्य बनने के लिए एक उम्मीदवार में निम्नलिखित योग्यताओं का होना अनिवार्य है—

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) वह 25 वर्ष की आयु पार कर चुका हो।

(3) वह पागल या दिवालिया न हो।

(4) वह संसद द्वारा समय-समय पर निर्मित विधियों के अनुरूप अन्य योग्यताएँ धारण करता हो।

अथवा

प्रश्न—राज्यसभा के सदस्य बनने के लिए जरूरी योग्यता का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—राज्यसभा के सदस्य बनने के लिए निम्नलिखित जरूरी योग्यताएँ होनी चाहिए—

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) उसने 30 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो।

(3) वह केन्द्र, राज्य व स्थानीय सरकार के अधीन कोई लाभ पद धारण न करता हो।

(4) वह समय-समय पर संसद द्वारा निर्मित विधियों के अनुरूप अन्य योग्यताएँ धारण करता हो।

प्रश्न 30. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की स्थापना किसने की ? गुटनिरपेक्षता के तीन उद्देश्यों को लिखिये।

उत्तर—गुटनिरपेक्ष आन्दोलन की स्थापना के संस्थापक भारत के तात्कालिक प्रधानमंत्री पं॰ जवाहरलाल नेहरू थे। यूगोस्लाविया के राष्ट्रपति मार्शल टीटो व मिस्र के राष्ट्रपति कर्नल नासिर थे।

गुट-निरपेक्ष के प्रमुख सिद्धान्त या उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

(i) विश्व में शांति एवं व्यवस्था।

(ii) रंग-भेद नीति का विरोध करना।

(iii) सैनिक गुटों से अलग रहकर नि:शस्त्रीकरण का प्रयास करना।

(iv) सह-अस्तित्व (जियो और जीने दो) की भावना को बढ़ावा देना।

(v) राष्ट्रों के मध्य समानता के आधार पर शोषण मुक्त आर्थिक सम्बन्धों की स्थापना करना।

अथवा

प्रश्न—नि:शस्त्रीकरण के मार्ग में आने वाली कोई चार बाधायें लिखिये।

उत्तर—नि:शस्त्रीकरण के मार्ग में आने वाली चार बाधायें निम्नलिखित हैं—

(1) दोनों महाशक्तियों के मध्य अविश्वास की स्थिति।

(2) फ्रांस और चीन के बढ़ते चरण।

(3) नि:शस्त्रीकरण की सीमा के अनुपात का प्रश्न।

(4) राष्ट्रवाद और प्रभुसत्ता की भावना।

(5) नये देशों की आण्विक शक्ति सम्पन्न बनने के प्रयास।

प्रश्न 31. राज्पाल पद की योग्यताएँ, कार्यकाल तथा वेतन क्या हैं ? इनकी नियुक्ति कैसे होती है ?

उत्तर—नियुक्ति और कार्यकाल—राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्रिपरिषद के परामर्श के आधार पर राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं।

कार्यकाल—राज्यपाल का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है।

वेतन—एक लाख दस हजार प्रतिमाह है।

योग्यताएँ—(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) कम से कम 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

(3) वह पागल या दिवालिया न हो।

(4) केन्दीय संसद या किसी राज्य विधानसभा का सदस्य हो।

अथवा

प्रश्न—नगरपालिका के चार कार्यों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—नगरपालिका के प्रमुख चार कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) शहर/कस्बों के विकास के लिए योजना बनाना।

(2) कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करना।

(3) पार्क, खेल का मैदान, सड़कें, पुल का रख-रखाव एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु उपाय करना।

(4) सामाजिक व आर्थिक विकास हेतु योजना बनाना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

प्रश्न 32. मौर्यों का भारतीय इतिहास में क्या योगदान है ?

उत्तर—मौर्यों के शासन में महापदमनंद जैसे ताकतवर शासक हुए। नन्द वंश के अंतिम राजा को चन्द्रगुप्त मौर्य ने 322 ईसा पूर्व में परास्त कर दिया। चन्द्रगुप्त ने पंजाब से यूनानियों की ओर गंगा के मैदानी इलाकों से नन्दों को भगाकर मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। विजय और विलय की एक सतत प्रक्रिया से वह लगभग सम्पूर्ण भारत को एकताबद्ध करने में कामयाब रहा। चन्द्रगुप्त को

प्रसिद्ध दार्शनिक और अध्यापक चाणक्य ने प्रशिक्षण दिया था, जिन्हें कौटिल्य के नाम से भी जाना जाता है। कौटिल्य ने विद्वतापूर्ण ग्रंथ 'अर्थशास्त्र' की रचना की जो राजनीति, अर्थशास्त्र के क्षेत्र में कालजयी कृति माना जाता है। चाणक्य की कूटनीति के कारण ही चन्द्रगुप्त सफल शासक बना।

चन्द्रगुप्त का बेटा बिन्दुसार ने दक्कन जीत कर मौर्य साम्राज्य को मैसूर तक पहुँचा दिया। अशोक की मौत के बाद उसके साम्राज्य के टुकड़े-टुकड़े हो गए। उस समय विदेशी हमले का भी डर था। देश की आर्थिक स्थिति खराब हो गई थी। मौर्य वंश का अंतिम राजा वृहद्रथ कमजोर शासक था।

अथवा

प्रश्न—विश्व सभ्यता को भारत के योगदान पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर—विश्व सभ्यता को भारत के योगदान के निम्न बिन्दुओं पर वर्णन किया जा सकता है—

विज्ञान के क्षेत्र में—भारत विज्ञान के क्षेत्र में प्राचीनकाल से आगे रहा है। चिकित्सा के क्षेत्र में चरक और सुश्रुत का नाम सबसे सर्व"य है। वे क्रमशः आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा के प्रणेता माने जाते हैं। ज्योतिषशास्त्र में आर्यभट्ट और बाराहमिहिर का नाम अविस्मरणीय है। नागार्जुन विश्व विख्यात रसायनशास्त्री थे।

गणित के क्षेत्र में—गणित की दशमलव प्रणाली, स्थानीय मान, शून्य का आविष्कार, अंकगणित/बीजगणित आदि के शोध में भारत का योगदान विशेष उल्लेखनीय है। वैदिक गणित भी भारत की मौलिक उपलब्धि है।

शिक्षा के क्षेत्र में—प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला, वल्लभी, काशी और काँची जैसे शिक्षा के केन्द्र थे, जहाँ विदेशों से भी छात्र ज्ञानार्जन के लिए आया करते थे। भारतीय ज्ञान और विद्वता ने सदैव विदेशियों को लोहा मनवाया है।

कला के क्षेत्र में—प्राचीन भारतीयों ने कला, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला से भी संसार को आश्चर्यचकित किया है। अजन्ता व एलोरा की गुफाएँ, अशोक के लाट, सांची के स्तूप, ताज. महल, गेटवे ऑफ इंडिया, मथुरा के बुद्ध के चित्र भारतीय कला की उत्कृष्टता के बेजोड़ उदाहरण हैं।

साहित्य के क्षेत्र में—अनादिकाल से भारतीय साहित्य की सर्वोत्कृष्टता के प्रमाण मिलते हैं। वेद, सूत्र महाकाव्य, स्मृति, त्रि"टिक, आगम आदि भारत के प्राचीन धार्मिक ग्रन्थ हैं। आचार्य भरतमुनि को नाट्यशास्त्र का जन्मदाता माना जाता है। कालिदास, बाणभट्ट, हरिसेन, विशाखदत्त, भास, शूद्रक, प्रभृति संस्कृत साहित्य के पुरोधा कलाकार हैं। संस्कृत, पाली और प्राकृत साहित्य की विफलता से भारतीय साहित्य का भण्डार सुसज्जित है।

संस्कृति के क्षेत्र में—भारतीय संस्कृति विश्व की अनुपम संस्कृति है। इसकी विशिष्टता को रेखांकित करते हुए कवि ने कहा है—

''यूनान, मिस्र, रोम सब मिट गए जहाँ से,
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।''

प्रश्न 33. 1905 के बंगाल विभाजन का देश पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर—लार्ड कर्जन ने सन् 1905 में बंगाल को दो भागों में बाँटने की घोषणा की—पूर्वी बंगाल और पश्चिमी बंगाल। उसका तर्क था कि बंगाल एक बहुत बड़ा प्रान्त है और शासन की सुविधा के लिए उसका विभाजन आवश्यक है, उसकी इस योजना का असली रहस्य था—हिन्दुओं और मुसलमानों में फूट डालना तथा बंगाल की राष्ट्रीय एकता को नष्ट करना। बंगाल के विभ. ाजन को वहाँ के निवासियों ने अपनी राष्ट्रीयता और संस्कृति पर आघात समझा। राष्ट्रीय भावनाओं

का अपमान समझकर पूरे देश में जन आन्दोलन प्रारम्भ किया गया। हड़ताल बन्द एवं तोड़-फोड़ की कार्यवाही की गई जिससे जन-धन की काफी हानि हुई। बंगाल विभाजन के विरोध में स्वदेशी आन्दोलन चलाया गया जिसमें विदेशी सामानों का बहिष्कार और स्वदेशी मामलों को अपनाने पर जोर दिया गया। बंगाल विभाजन के विरोध में गरमपंथियों एवं नरमपंथियों ने एकजुट होकर विरोध किया जिससे राष्ट्रीय भावना का विकास हुआ।

अथवा

प्रश्न—सविनय अवज्ञा आन्दोलन गांधीजी द्वारा क्यों चलाया गया है ? इसकी मुख्य घटनाओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—2 मार्च, 1930 में गाँधी जी ने वायसराय को एक पत्र लिखकर लोगों की दयनीय स्थिति की जानकारी दी, उन्होंने अपनी माँगें रखीं और यह स्पष्ट किया कि यदि सरकार द्वारा यह माँगें नहीं मानी जाती हैं तो वह जन आन्दोलन छेड़ देंगे। वायसराय ने इन पत्रों पर कोई ध्यान नहीं दिया जिससे सविनय अवज्ञा आन्दोलन गाँधी जी द्वारा प्रारम्भ किया। गाँधी जी ने लोगों को यह स्पष्ट कर दिया कि यह आन्दोलन अहिंसात्मक संघर्ष होगा और इसके प्रोग्राम में कानून तोड़ना, लगान न देना, ब्रिटिश वस्तुओं एवं संस्थाओं का बहिष्कार, प्रदर्शन, शराब बेचने वाली दुकानों पर धरने इत्यादि शामिल थे। गाँधी जी ने नमक कानून तोड़कर इस आन्दोलन को प्रारम्भ करने का निर्णय लिया। इस कानून के अन्तर्गत समुद्र के पानी से नमक बनाने की रोक थी। जैसा कि आप जानते हैं कि बहुत से गरीब व्यक्ति नमक बेचकर अपना जीवन निर्वाह करते थे और नमक न बनाने के कानून से इन गरीब लोगों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा।

प्रश्न 34. सामाजिक न्याय का अर्थ स्पष्ट करते हुए स्पष्ट कीजिये कि सामाजिक न्याय की अवधारणा किन बातों पर निर्भर करती है ? किन्हीं पाँच बिन्दुओं का वर्णन कीजिये।

उत्तर—सामाजिक न्याय का अर्थ—हमारा संविधान सिर्फ राजनीतिक ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक न्याय की भी गारंटी देता है। पारंपरिक भारतीय समाज में कई ऐसी संस्थाएँ हैं, जहाँ असमानता आज भी व्याप्त है। यह असमानता जाति व्यवस्था तथा छुआछूत जैसे अमानवीय व्यवहारों में देखी जा सकती है। ऊँची जाति के लोगों को बहुत सारी सुविधाएँ प्राप्त हैं, जबकि निम्न जाति के लोग शोषण का शिकार हो रहे हैं, उन्हें दबाकर रखा गया है। जन्म व्यक्ति की सामाजिक स्थिति में निर्णायक रहा है। निम्न जाति में जन्मे व्यक्ति की सामाजिक स्थिति निम्न ही रहेगी, चाहे उसकी योग्यता और सफलता कुछ भी क्यों न हो। जिस समाज में जिस तरह की असमानता व्याप्त है, वहाँ जनतंत्र के लिए नागरिकों को समानता और समान अवसर प्रदान करना जरूरी है। इसलिए हमारे संविधान का उद्देश्य नागरिकों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है।

सामाजिक न्याय की अवधारणा मुख्य रूप से निम्न बातों पर निर्भर करती है—

(क) सम्पत्ति पर नियंत्रण और अधिकार

(ख) उत्पादन के साधनों का स्वामित्व

(ग) न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति और रोजगार की गारंटी

(घ) प्रगति और विकास के लिए समान अवसर

(ङ) काम और सेवाओं के लिए उचित मजदूरी

(च) सरकार और अर्थव्यवस्था में भागीदारी

अथवा

प्रश्न—जल-प्रदूषण के तीन कारणों एवं तीन उपायों को वर्णन सहित लिखिये।

उत्तर—जल प्रदूषण के कारण—जल प्रदूषण के निम्नलिखित कारण हैं—(1) कृषि में प्रयोग किये गये कीटाणुनाशक, रासायनिक खादें, उर्वरकों के प्रयोग से।

(2) सीसा, पारा आदि के अकार्बनिक तथा कार्बनिक पदार्थ को औद्योगिक संस्थानों से निकालते हैं।

(3) रेडियोधर्मी पदार्थ जो परमाणु विस्फोटों आदि सो उत्पन्न होते हैं और जल प्रवाह में पहुँचते हैं।

(4) वाहित मल को मनुष्य के द्वारा जल प्रवाह में मिला दिया जाता है।,

जल प्रदूषण के रोकथाम—(1) कूड़े-करकट, सड़े-गले पदार्थ एवं मल-मूत्र को शहर से बाहर गड्ढे खोदकर दबा देना चाहिए।

(2) सीवर का जल पहले नगर के बाहर ले जाकर दोषरहित करना चाहिए तत्पश्चात् इसे नदियों में छोड़ा जा सकता है।

(3) विभिन्न कारखानों आदि से निकले जल तथा अपशिष्ट पदार्थों आदि का शुद्धिकरण आवश्यक है।

(4) विभिन्न प्रदूषकों को समुद्री जल में मिलने से रोकना चाहिए।

(5) समुद्र के जल में परमाणु विस्फोट नहीं किया जाना चाहिए।

प्रश्न 35. बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं को आधुनिक भारत का मन्दिर क्यों कहते हैं ?

उत्तर—नदी-घाटी विकास के लिए विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करने की योजनाएँ बनाई गईं—

(1) जल विद्युत उत्पादन—इन परियोजनाओं से जल विद्युत का उत्पादन भी किया जाता है। भारी लागत और लम्बे निर्माणकाल के बावजूद यह कम खर्चा का साबित होता है।

(2) बाढ़ नियंत्रण—बाँधों के पीछे बनी झीलों में वर्षा के जल को इकट्ठा करके बाढ़ों को रोकने का प्रयास किया गया है। अनेक नदी-घाटी परियोजनाएँ बाढ़ नियंत्रण में काफी सहायक सिद्ध हुई हैं।

(3) औद्योगिक विकास—औद्योगिक विकास के लिए ऊर्जा जल विद्युत तथा स्वच्छ जल इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं में पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। जैसे—दक्षिण-पूर्वी बिहार, पश्चिम बंगाल के उद्योगों को दामोदर घाटी परियोजना से जल विद्युत तथा स्वच्छ जल की आपूर्ति होती है।

(4) सिंचाई—बाँधों के पीछे बनी झीलों से नहरें निकालकर सिंचाई की जाती है। इन योजनाओं की सहायता से ही आज हम 33% से अधिक कृषि भूमि की सिंचाई करने में समर्थ हो गये हैं।

अथवा

प्रश्न—भारत के मानचित्र में निम्न स्थानों को प्रदर्शित कीजिए—

(क) महानदी,
(ख) नागपुर का पठार,
(ग) हिन्द महासागर,
(घ) कोलकाता,
(ङ) चिल्का झील,
(च) हीराकुड बाँध।

उत्तर—

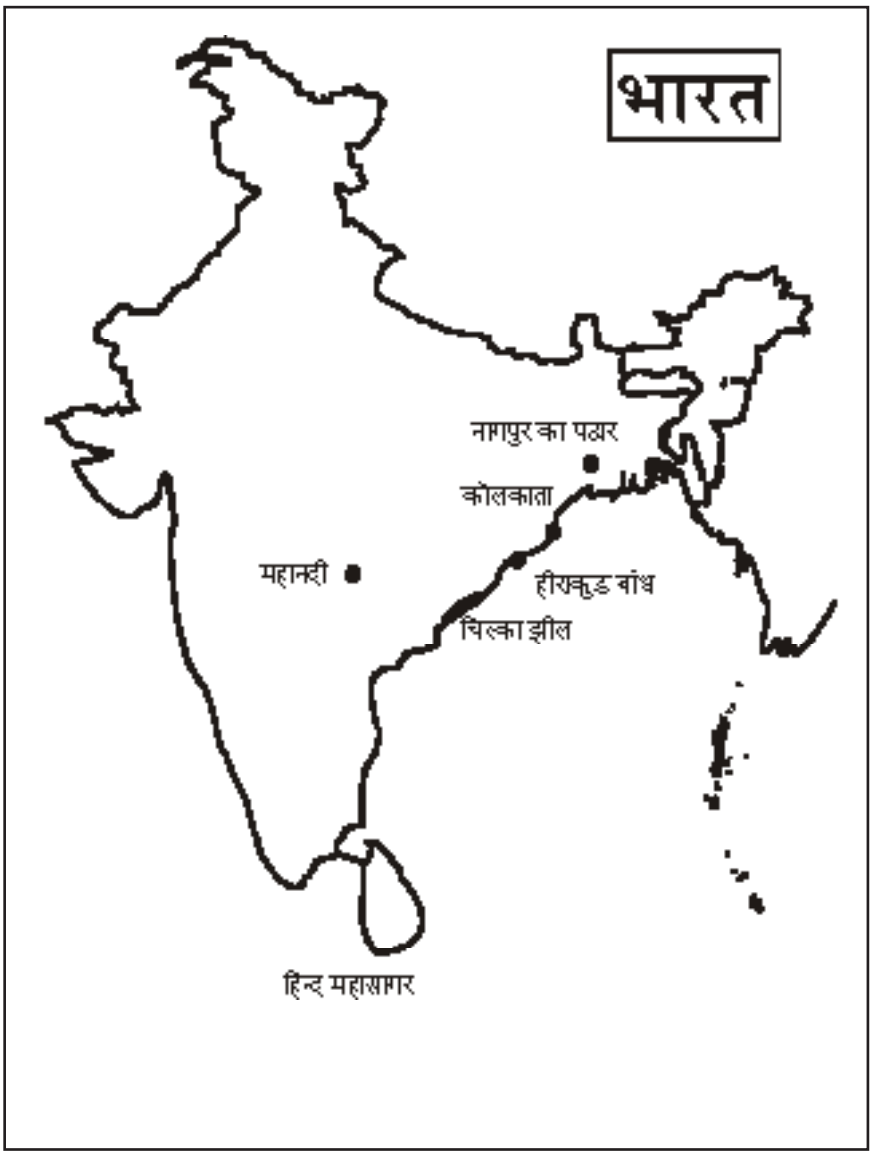

प्रश्न 36. प्लासी का युद्ध क्यों हुआ ? इसने बंगाल के इतिहास को किस-किस तरह प्रभावित किया ?

उत्तर—सिराजुद्दौला एक योग्य प्रशासक था किन्तु अंग्रेजों के साथ उसकी क्षमा नीति घातक सिद्ध हुई जो आगे चल कर उसके पतन का कारण बनी। अंग्रेजों के साम्राज्यवादी नीति के कारण प्लासी का युद्ध हुआ, जिससे बंगाल की धरती पर उनका कब्जा हो गया। इस प्रकार अंग्रेजों का प्रभुत्व कलकत्ता, मद्रास, बम्बई और बंगाल पर हो गया।

बंगाल के इतिहास को निम्न रूप में प्रभावित किया—

(1) प्लासी में प्राप्त विजय के परिणामस्वरूप कम्पनी की प्रतिष्ठा में अत्यधिक वृद्धि हो गई।

(2) प्लासी में विजय के बाद बंगाल से बड़ी मात्रा में धन अंग्रेजों को मिलने लगा जिसका प्रयोग उन्होंने फ्रांसीसियों के विरुद्ध किया।

(3) प्लासी का युद्ध इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि उसने बक्सर के युद्ध की आधारशिला रखी।

(4) प्लासी युद्ध के परिणामस्वरूप अंग्रेजों को आर्थिक लाभ हुआ। अंग्रेजों को बंगाल प्रान्त में कर मुक्त व्यापार का अधिकार प्राप्त हो गया। कम्पनी को कलकत्ता में टकसाल खोलने की अनुमति मिल गई।

अथवा

प्रश्न—सन् 1857 का आन्दोलन अन्ततः विफल क्यों हुआ ?

उत्तर—1857 का आन्दोलन अंततः विफल होने के निम्नलिखित कारण थे—

1. 1857 के आन्दोलन के पास समुचित योजना, संगठन और संसाधनों का अभाव था।

2. आन्दोलनकारी घटकों के बीच कोई ठोस एकता नहीं थी।

3. आन्दोलनकारियों में कोई समुचित राजनीतिक नेतृत्व, सैनिक अनुभव नहीं था।

4. आन्दोलनकारियों के कुछ ही नेता अपने शक्तिशाली दुश्मनों अर्थात् अंग्रेजों के जोड़ के थे।

5. 1857 का आन्दोलन उत्तरी और मध्य भारत के हिस्सों तक ही सीमित रहा। पूरे बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र और दक्षिण भारत पर उसका कोई प्रभाव नहीं था।

6. अंग्रेजों की फौज न केवल अच्छी तरह संगठित थी वरन् एक अनुशासित इकाई थी।

7. अंग्रेजों के पास जहाँ पर्याप्त संसाधन, बेहतर हथियार और तकनीक थी, वहीं उनको भारत के महत्वपूर्ण शासकों तथा उभरते हुए मध्यम वर्ग का भी समर्थन प्राप्त था।

8. सन् 1857 के आन्दोलन की असफलता के कई कारण थे। इनमें भारतीयों की सैनिक और राजनीतिक कमजोरी सबसे प्रमुख थी।

प्रश्न 37. भारत की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उद्योग को समझाइये।

उत्तर—पर्यटन उद्योग का योगदान—लोगों को रोजगार के अनेक अवसर मिलते हैं। होटल और परिवहन का विशेष रूप से विकास होता है। देश का आर्थिक विकास होता है और लोगों की गरीबी दूर होती है। राष्ट्रीय सद्भाव बढ़ता है। दस्तकारी और कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है। सांस्कृतिक गतिविधियों में वृद्धि होती है। सन् 1999-2000 में पर्यटन उद्योग में डेढ़ करोड़ से

अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ था। लगभग ढाई करोड़ लोगों की परोक्ष रूप से पर्यटन द्वारा रोजी चल रही थी।

अथवा

प्रश्न—भारत के आर्थिक विकास में रेलों के योगदान को समझाइये।

उत्तर—भारत के आर्थिक विकास में रेलों का योगदान—

(1) कृषि का विकास—बीज, खाद और अनेक प्रकार के उपकरण कारखानों से लेकर खेतों तक रेलें ही पहुँचाती हैं। रेलें किसान के उत्पादों को दूर-दूर तक ले जाकर बिक्री में मदद करती हैं।

(2) उद्योग में योगदान—रेलें उद्योगों को कच्चा माल पहुँचाती हैं। विशेष रूप से लोहा, इस्पात, सीमेंट आदि उद्योगों का भारी और बड़ी मात्रा में कच्चा माल रेलें ही ढोती हैं। उद्योगों में निर्मित वस्तुओं को बाजार तक पहुँचाने में भी रेलें सहायक हैं। कारखानों की भारी मशीन और उपकरणों को ढोने में रेलें सहायक होती हैं। श्रमिकों की गतिशीलता में रेलों का बड़ा भारी योगदान है।

प्रश्न 38. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

उत्तर—भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ—

(1) सबसे बड़ा लिखित संविधान—विश्व के अन्य संविधानों की तुलना में भारतीय संविधान सर्वाधिक बड़ा लिखित संविधान है।

(2) इकहरी नागरिकता—सभी नागरिक मात्र भारत संघ के नागरिक हैं, अपने राज्यों के नहीं। राज्य के वे मूल निवासी हो सकते हैं, लेकिन वे सिर्फ भारत के ही हो सकते हैं।

(3) वयस्क मताधिकार—संविधान के सार्वजनिक वयस्क मताधिकार को अपनाया है। वयस्क मताधिकार की आयु सीमा 18 वर्ष निर्धारित की गई है।

(4) राष्ट्र भाषा का प्रभाव—हिन्दी को देवनागरी लि" में भारत की राष्ट्रभाषा घोषित करता है।

(5) कठोरता और लचीलापन—भारतीय संविधान में परिस्थितियों के अनुरूप परिवर्तन, परिशोधन किये जा सकते हैं। इसका एकमात्र अधिकार संसद को है।

(6) संसदीय शासन प्रणाली—भारतीय शासन की एक विशेषता यह है कि यह संसदीय शासन प्रणाली की घोषणा करता है। इस प्रणाली में राष्ट्रपति कार्यपालिका का प्रधान होता है, परन्तु जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं और सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होते हैं।

(7) संघीय प्रणाली—भारतीय संविधान में संघात्मक व्यवस्था के लगभग सभी लक्षण विद्यमान हैं, यद्य" उनका स्वरूप यहाँ की परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया गया है। संविधान की सर्वोच्चता संघीय प्रणाली की अनिवार्य शर्त है। भारत में शक्ति विभाजन के तहत संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय रखे गये हैं।

अथवा

प्रश्न—नागरिकता से क्या अभिप्राय है ? नागरिकता प्राप्त करने के उपायों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—नागरिकता का अर्थ—नागरिकता, नागरिक की वह कानूनी स्थिति है जो राज्य द्वारा उसे प्रदान की जाती है, जिसके अनुसार वह राज्य द्वारा किये गये अस्वीकृत अधिकारों का उपयोग करता है तथा राज्य के प्रति अपने कर्त्तव्यों का पालन करता है। दूसरे शब्दों में नागरिक अधिकारों का उचित प्रयोग करना तथा कर्त्तव्यों का उचित रीति से पालन करना ही नागरिकता है।

नागरिकता प्राप्त करने के उपाय—भारत की नागरिकता ग्रहण करने की पाँच पद्धतियाँ हैं। सरकार ने नागरिकता से सम्बन्धित कानून 1956 में बनाया।

(1) जन्मजात नागरिकता—नागरिकता अधिनियम 1955 के अनुसार 26 जनवरी, 1950 तथा उसके बाद भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति भारत का जन्मजात नागरिक माना गया।

(2) वंशानुगत नागरिकता—भारत के बाहर जन्म लेने वाला बच्चा भी भारत का नागरिक कहलाएगा यदि उस समय उसका "ता भारत का नागरिक हो। यह नियम 26 जनवरी 1950 तथा उसके उपरान्त जन्म लेने वाले बच्चों के लिए ही लागू होगा।

(3) देशीयकरण के आधार पर नागरिकता—कोई भी विदेशी व्यक्ति भारत सरकार को देशीयकरण के लिए आवेदन करके भारत की नागरिकता ग्रहण कर सकता है। देशीयकरण का अर्थ है, कुछ शर्तों का पालन करके किसी की नागरिकता लेना। इस हेतु कम से कम 5 वर्ष भारत में निवास जरूरी माना गया।

(4) पंजीकरण द्वारा नागरिकता—व्यक्तियों के कुछ वर्ग जिन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं है, निर्धारित अधिकारियों के समक्ष पंजीकरण करवाकर इसे ग्रहण कर सकते हैं। उदाहरण के लिए भारत के किसी नागरिक से विवाहित कोई स्त्री अपना पंजीकरण करवाकर भारतीय नागरिकता ग्रहण कर सकती है।

(5) अर्जित क्षेत्र द्वारा नागरिकता—यदि भारत में किसी विदेशी भू-भाग को सम्मिलित किया जाता है, तो वहाँ की जनता को भारतीय नागरिकता प्राप्त होगी। जैसे 1975 में सिक्किम के भारतीय संघ में शामिल होने पर उसके निवासी भारतीय नागरिक बन गये थे।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—दिसम्बर, 2011

कक्षा 10वीं

विषय—सामाजिक विज्ञान

सेट—3

निर्देश—(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 22 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 120 शब्द है।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. प्रथम विश्व युद्ध कब हुआ था ?

(अ) 1789 ई. (ब) 1805 ई.

(स) 1914 ई. (द) 1939 ई.।

उत्तर—(स) 1914 ई.।

प्रश्न 2. आर्यभट्ट थे—

(अ) गणितज्ञ (खगोलशास्त्री) (ब) रसायन शास्त्री

(स) पुरातत्वविद् (द) शासक।

उत्तर—(अ) गणितज्ञ (खगोलशास्त्री)।

प्रश्न 3. रेडियो, टी. वी., समाचार-पत्रों से होने वाले युद्ध को कहा जाता है—

(अ) संचार युद्ध (ब) अंतरिक्ष युद्ध

(स) शीत युद्ध (द) मुस्लिम युद्ध।

उत्तर—(स) शीत युद्ध।

प्रश्न 4. 1960 ई. में दक्षिण अफ्रीका के किस नेता को 28 वर्षों तक जेल में रखा था—

(अ) महात्मा गाँधी (ब) कोफी अन्नान

(स) नेल्सन मंडेला (द) वुडरो विल्सन।

उत्तर—(स) नेल्सन मंडेला।

प्रश्न 5. गुटनिरपेक्षता क्या है—

(अ) संसार की घटनाओं से तटस्थ रहना (ब) संसार के सभी गुटीय देशों से दूर रहना
(स) युद्ध से अलग रहने वाले देशों का समूह (द) स्वतंत्रता की नीति का पालन करना।
उत्तर—(द) स्वतंत्रता की नीति का पालन करना।

प्रश्न 6. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद साम्यवादी थे—
(अ) रूस (ब) अमेरिका
(स) फ्रांस (द) जर्मनी।
उत्तर—(अ) रूस।

प्रश्न 7. भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हुआ था—
(अ) 1757 ई. (ब) 1857 ई.
(स) 1885 ई. (द) 1947 ई.।
उत्तर—(ब) 1857 ई.।

प्रश्न 8. आधुनिक शिक्षा की दिशा में जो स्कूल नहीं जाते वे पत्राचार के माध्यम से या किसी अन्य खुले स्कूल में आपकी तरह शिक्षा पा रहे हैं उस स्कूल को क्या कहते हैं ?
(अ) सर्वशिक्षा अभियान (ब) प्रौढ़ शिक्षा अभियान
(स) ओपन स्कूल (द) नियमित स्कूल।
उत्तर—(स) ओपन स्कूल।

प्रश्न 9. हीराकुड बाँध परियोजना किस राज्य में है ?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) छत्तीसगढ़
(स) उड़ीसा (द) पंजाब।
उत्तर—(स) उड़ीसा।

प्रश्न 10. छत्तीसगढ़ में बैलाडीला क्यों प्रसिद्ध है ?
(अ) बैलों की खरीदी-बिक्री के लिए (ब) लोहा के विशाल भण्डार के लिए
(स) कोयला खदान के लिए (द) धान के उत्पादन के लिए
उत्तर—(ब) लोहा के विशाल भण्डार के लिए।

एक शब्द में उत्तर दीजिए—

प्रश्न 11. जनसंख्या का घनत्व किस राज्य में अधिक है ?
उत्तर—केरल।

प्रश्न 12. सौर ऊर्जा का घन्त्व किस राज्य में अधिक है ?
उत्तर—राजस्थान।

प्रश्न 13. भारतीय संविधान का शिल्पी किसे कहते हैं ?
उत्तर—डॉ. भीमराव अंबेडकर।

प्रश्न 14. 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से कारखाने में काम करवाना किस मौलिक अधिकार का हनन है ?
उत्तर—शोषण के विरुद्ध अधिकार।

प्रश्न 15. भारत का प्रथम राष्ट्रपति किसे चुना गया था ?
उत्तर—डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।

प्रश्न 16. हमारे देश के नागरिकों को कौन-सी नागरिकता प्राप्त है ?

उत्तर—एकल नागरिकता।

प्रश्न 17. भारत का संविधान कब लागू हुआ ?

उत्तर—26 जनवरी, 1950.

प्रश्न 18. कितने वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा लागू की गयी है ?

उत्तर—14 वर्ष।

प्रश्न 19. संसार में सबसे पहले परिवार नियोजन किस देश में लागू हुआ ?

उत्तर—भारत में।

प्रश्न 20. प्राथमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रपति पोषाहार लागू किया है जिसे हम किस नाम से पुकारते हैं?

उत्तर—पोषाहार कार्यक्रम।

प्रश्न 21. विटामिन 'ए' की कमी से बच्चों में कौन-सी बीमारी हो सकती है ?

उत्तर—अंधेपन।

प्रश्न 22. गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य विभाग के किस ग्रामीण कर्मचारी को प्रेरक बनाया गया है ?

उत्तर—मितानिन।

लघु उत्तरीय प्रश्न के उत्तर—

प्रश्न 23. किसान भू-दास कैसे बने ?

उत्तर—राजनीतिक हलचल अैर अशांति के दौर में किसानों ने सामंतों की ही तरह संरक्षण पाना चाहा। आर्थिक संकट का दौर था और मुक्त किसानों के पास संसाधन कम था। उनके पास बीज खरीदने की स्थिति नहीं थी तो किसानों ने सामंतों की तरफ रुख किया। जो किसानों को जमीन हटाने या सामंतों को छोड़कर कहीं और जाने से रोकते थे। उसके बाद जब भी मुक्त किसानों ने शक्तिशाली रोमन भूस्वामियों या जर्मनिक सरदारों से संरक्षण मांगा उन्हें अपनी आजादी खोनी पड़ी।

उनके पास असीम राजनीतिक और न्यायिक अधिकार भी थे। वे उनका इस्तेमाल किसानों को झुकाने और अपने आश्रित करने में करते थे। जमीन से बँधे और सामंतों के पूरी तरह अधीन मध्यकालीन यूरोप के इन आश्रित किसानों को भू-दास कहते हैं।

अथवा

प्रश्न—साम्राज्यवाद के सकारात्मक प्रभाव बताइये।

उत्तर—सम्राज्यवाद के सकारात्मक प्रभाव निम्न हैं—

(1) राष्ट्रीय एकीकरण।

(2) यायातात और संसार के साधनों में सुधार।

(3) आंशिक उदारीकरण।

(4) पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार।

(5) नये प्रदेशों की खोज।

प्रश्न 24. सूचना प्रौद्योगिकी क्या है ? यह आधुनिक युग में किस तरह उपयोगी है ?

उत्तर—सूचना प्रोद्यौगिकी किसी संदेशों को भेजने का साधन है, जैसे—कम्प्यूटर, फैक्स

मशीन आदि इनके साधन हैं। यह सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांतिकारी परिवर्तन का युग है। कम्प्यूटरों की बढ़ती संख्या और वेब आधारित संचार तंत्र के सृजन ने विश्व के विभिन्न हिस्सों के बीच संसार की पूरी तस्वीर ही बदल डाली है। हम उपग्रह आधारित संचार प्रणालियों का अधिकाधिक उपयोग कर रहे हैं। कम्प्यूटर, फैक्स मशीन और इंटनेट ने संचार प्रौद्योगिकी पर बड़ा प्रभाव डाला है। इसने सूचना प्रौद्योगिकी आधारित वैश्विक एकीकरण में मदद की। देश के अंदर प्रौद्योगिकी ने विचारों, लोगों और माल तथा सेवाओं की गति तेज की है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने संचार की गति में अद्‌भुत तेजी ला दी है। इसने सरकारों को नागरिकों से ज्यादा रूबरू किया है और प्रशासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही लाया है। सरकार के तमाम स्तरों केन्द्र, राज्य और स्थानीय पर ई.-गवर्नेंस या इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन का प्रसार हो रहा है। इसने संचार के अतिरक्ति चिकित्सा, प्रकाशन और विचारों में समग्र संप्रेषण ने उपचार, प्रकाशन उद्योग और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तन ला दिया है।

अथवा

प्रश्न—संयुक्त राष्ट्र अपनी नीति का क्रियान्वयन करने में असफल क्यों हुआ ?

उत्तर—संयुक्त राष्ट्र अपनी नीति का क्रियान्वयन करने में असफल हुआ इसके कारण निम्न हैं—

(1) संघ के पास कोई सेना नहीं थी या ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी कि जिससे वह अपने निर्णय लागू करा सके।

(2) संघ में प्रतिनिधित्व भी पूर्ण नहीं था। सं. रा. अमेरिका जिसने इसके गठन का प्रयास किया वही इसका सदस्य नहीं बना जिससे बाकी राष्ट्रों में शक पैदा हुआ।

(3) जर्मनी हारा हुआ राष्ट्र था। उसे भी बाहर रखा गया।

(4) उपनिवेशों को लेकर राष्ट्रों के बीच परस्पर प्रतिस्पर्द्धा होने लगी जिससे संघ कमजोर हो गया और छोटे राष्ट्रों का संघ के कार्यों से विश्वास उठ गया।

प्रश्न 25. खेती का व्यवसायीकरण क्या है ?

उत्तर—खेती का व्यवसायीकरण अंग्रेजों की आर्थिक नीति का परिणाम है। औपनिवेशिक आकांक्षाओं ने व्यापारिक खेती को बहुत अधिक बढ़ावा दिया। खेती के वाणिज्यीकरण ने भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के परम्परागत ढाँचे को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया। मौजूदा ग्रामीण ढाँचे को नई भूमि व्यवस्था पहले ही कमजोर कर चुकी थी। अब खेती के व्यवसायीकरण के फैलने से यह चकनाचूर हो गई। वाणिज्यीकरण ने किसानों के जीवन और उनकी आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर डाला।

अथवा

प्रश्न—पंजाब का कूका आन्दोलन क्यों हुआ ? समझाइये।

उत्तर—कूका आन्दोलन की स्थापना 1840 में भगत जवाहर लाल ने की। उनका मुख्य लक्ष्य तमाम बुराइयों, अंधविश्वासों और कुरीतियों को दूर करके सिक्ख धर्म को शुद्ध करना था। लेकिन अंग्रेजों द्वारा पंजाब को हड़प लिया, उसके बाद कूकाओं का प्रमुख उद्देश्य सिक्ख सत्ता का पुनर्स्थापना और प्रभुसत्ता स्था"त करना हो गया। इससे अंग्रेज अधिकारियों में भारी चिंता पैदा हुई। 1863-1872 तक उन्होंने कूकाओं के विरुद्ध अनेक कदम उठाए और इस आन्दोलन को दबाने में सफल रहे।

प्रश्न 26. दादाभाई नौरोजी ने अंग्रेजों की आर्थिक नीति को किस तरह उजागर किया ?

उत्तर—अंग्रेजों ने भारत का शोषण करना ही अपनी प्रमुख आर्थिक नीति बना रखी थी। भारत

का आर्थिक दोहन ही उनका मुख्य उद्देश्य था। दादाभाई नौरोजी ने 'पावर्टी एण्ड ब्रिटिश आल इन इण्डिया' नामक ग्रन्थ में भारत से अंग्रेजों द्वारा ब्रिटेन के धन प्रवाह को स्पष्ट किया इससे भारतीयों के मन में अंग्रेजों के खिलाफ आक्रोश की भावना जागृत हुई।

अथवा

प्रश्न—19वीं शताब्दी में किन-किन समाचार-पत्रों ने भारतीयों को आन्दोलित किया था? समझाइये।

उत्तर—19वीं शताब्दी में अनेक समाचार-पत्र जैसे—केसरी, अमृत बाजार पत्रिका, हिन्दू, युगान्तर तथा अनेक पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हुई थीं जिन्होंने भारतीयों को आन्दोलित किया था।

प्रश्न 27. भू-अपक्षय किस प्रकार होता है ? समझाइये।

उत्तर—शैलो के टूटने-फूटने की भौतिक प्रक्रिया को भू-अपक्षय कहते हैं। इसके लिए दैनिक तथा वार्षिक परिवर्तनीय तापमान, आर्द्रता और वर्षा जैसे भौतिक तत्व उत्तरदायी होते हैं। साथ-ही-साथ पेड़-पौधों की जड़ों का फैलाव भी इस प्रक्रिया में योगदान करता है।

अथवा

प्रश्न—वृक्षारोपण क्यों आवश्यक है ?

उत्तर—वृक्षारोपण हमारे लिए बहुत ही आवश्यक है क्योंकि पेड़-पौधे पर्यावरण प्रदूषण को रोकते हैं, वन्य प्राणियों को संरक्षण प्रदान करते हैं, विनाशकारी बाढ़ों को नियंत्रित करते हैं। साथ-ही-साथ पेड़-पौधों से हमें शुद्ध ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है।

प्रश्न 28. छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के कार्य लिखिए।

उत्तर—छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग का गठन 16 अप्रैल, 2001 में किया गया। छ. ग. मानव अधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष जस्टिस श्री के. राम अग्रवाल थे।

आयोग के कार्य—(1) मानव अधिकार के अपहरण या हनन की शिकायतों की जाँच करना।

(2) अधिकरों के क्रियान्वयन एवं उपभोग करने में बाधक तत्वों के निवारण का सुझाव देना।

(3) मानवाधिकार से सम्बन्धी शिक्षा का प्रसार करना, इसके प्रति लोगों को जागरूक कराना।

(4) किसी न्यायालय में चल रहे मुकदमे की सुनवाई में हिस्सा लेना।

(5) मानव अधिकार के विकास के लिए कार्य करना और सम्बन्धित संस्थानों को प्रोत्साहित करना।

अथवा

प्रश्न—प्रमुख राजनीतिक दलों के नाम लिखिए।

उत्तर—प्रमुख राजनीतिक दलों के नाम निम्न हैं—

(1) भारतीय राष्ट्रीय क्रांग्रेस (2) भारतीय जनता पार्टी

(3) भारतीय साम्यवादी दल (4) भारतीय मार्क्सवादी दल।

(5) राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी (6) बहुजन समाज पार्टी

(7) जनता दल।

प्रश्न 29. पंचायत समिति के क्या कार्य हैं ? बताइए।

उत्तर—पंचायत समिति के कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) अपने क्षेत्र की विकास योजनाएँ बनाना।

(2) अपने क्षेत्र के लिए वार्षिक योजना और बजट तैयार करना।

(3) अपने क्षेत्र में विकास योजनाओं तथा अन्य कार्यक्रमों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करना।

(4) ग्राम पंचायतों द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों पर निगरानी रखना।

(5) कृषि और सिंचाई सुविधाओं के विकास पर निगरानी रखना।

अथवा

प्रश्न—राज्यपाल पद के लिए निर्धारित योग्यता क्या हैं ? बताइए।

उत्तर—राज्यपाल पद के लिए निर्धारित योग्यता निम्नलिखित हैं—

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) कम-से-कम 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

(3) वह पागल या दिवालिया न हो।

(4) केन्द्रीय संसद या किसी राज्य विधानसभा का सदस्य हो।

प्रश्न 30. प्रदूषण क्या है ?

उत्तर—प्रदूषण को पर्यावरण के किसी घटक के प्राकृतिक संघटन में होने वाले ऐसे परिवर्तन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो प्राणियों पर दुष्प्रभाव डालता है।

कोई प्रदूषक तत्व पर्यावरण में इतने संकेन्द्रण में विद्यमान हानिकारक ठोस, तरल और गैसीय पदार्थ होते हैं जो प्राणियों को हानि पहुँचा सकता है। उदाहरण के लिए धूल और कार्बन के कण तथा रेडियोधर्मी पदार्थ, सल्फर ऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गैसें प्रदूषक हैं।

अथवा

प्रश्न—भूमि सम्मेलन क्यों आवश्यक है ?

उत्तर—पर्यावरण ह्रास व प्रदूषण आज एक अन्तर्राष्ट्रीय समस्या बन चुका है। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भूमि सम्मेलनों के आयोजन की नितान्त आवश्यकता है। भूमि सुरक्षा कोष की स्थापना कर सभी देशों की सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रश्न 31. औद्योगिक क्रांति किसे कहते हैं ? इसके कारण एवं प्रभाव का उल्लेख कीजिए।

उत्तर—औद्योगिक क्रांति का अर्थ—क्रांति का अर्थ होता है परिवर्तन या किसी व्यवस्था को नष्ट करके उसके स्थान पर एक नवीन व्यवस्था स्था"त होना।

उद्योगों की प्राचीन परम्परागत व्यवस्था के स्थान पर वैज्ञानिक तथा तीव्र गति से उत्पादन करने वाले यंत्रों का प्रयोग कर एक नवीन व्यवस्था का जन्म होना औद्योगिक क्रांति कहलाता है।

औद्योगिक क्रांति के कारण—(1) विदेशी बाजार की आवश्यकता की पूर्ति।

(2) विशाल पूँजी की उपलब्धि।

(3) सस्ते मजदूरों की प्राप्ति।

(4) कच्चे माल की प्राप्ति।

(5) अनुकूल परिस्थितियाँ।

औद्योगिक क्रांति के प्रभाव—(अ) आर्थिक जीवन पर प्रभाव—

(1) मनुष्य की सुख-सुविधाओं में वृद्धि हुई।

(2) विभिन्न देशों के बीच गहरे आर्थिक सम्बन्ध कायम हुए।

(ब) सामाजिक जीवन पर प्रभाव—(1) नये वर्गों के बीच संघर्ष।

(2) स्वतंत्र दस्तकारों तथा अन्य बेकारी में वृद्धि।

(3) पारिवारिक जीवन पर बुरा प्रभाव।

(4) नगरों का विकास।

(5) शहरों में नैतिक पतन तथा अपराधों में वृद्धि।

अथवा

प्रश्न—प्रथम विश्व युद्ध के तात्कालिक कारण समझाते हुए इसके परिणाम लिखिए।

उत्तर—आर्क ड्यूक फ्रांसिस फर्डीनेण्ड जो कि ऑस्ट्रिया का वारिस था, बोस्निया की राजधानी सेराजीवो में एक युवक ने उनकी हत्या कर दी। इसका दोष ऑस्ट्रिया ने सर्बिया पर लगाया और 28 जुलाई, 1914 को उसके विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी। यही प्रथम विश्व युद्ध का तात्कालिक कारण था।

प्रथम विश्व युद्ध के परिणाम—

(1) जान-माल की हानि—इस युद्ध में दस लाख लोग मारे गये जिनमें निर्दोष नागरिक भी शामिल थे। इस युद्ध पर लगभग 1800 अरब डालर खर्च हुए जिससे देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई।

(2) राष्ट्र संघ का जन्म—इस युद्ध में जन-धन की हानि को देखकर अंतर्राष्ट्रीय संस्था की स्थापना के बारे में सोचा और राष्ट्रसंघ का जन्म हुआ जिसका उद्देश्य था विश्व में शांति स्था"त करना।

(3) स्वेच्छाचारी शासकों का अन्त—प्रथम विश्व युद्ध के बाद रूस, ऑस्ट्रिया, हंगरी तथा जर्मनी के राजतंत्रों की समाप्ति हो गई।

(4) राष्ट्रीयता की भावना का विकास—इस युद्ध के बाद राष्ट्रीयता की भावना का विकास हुआ और नये राष्ट्रों का जन्म हुआ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर—

प्रश्न 32. अंग्रेजों ने भारत की अर्थव्यवस्था को सूदखोरों व धन निर्गमन के माध्यम से कैसे प्रभावित किया ?

उत्तर—अंग्रेज सरकार राजस्व की वसूली निश्चित समय पर करती थी। अत: किसानों को अक्सर ही सूदखोरों से कर्ज लेना पड़ता था। ये साहूकार किसानों से प्राय: ऊँची दरों पर ब्याज वसूल करते थे और गलत हिसाब, नकली दस्तखत और अंगूठा निशानी जैसी कुछ दूसरी हेराफेरी करके उनका शोषण करते थे। अंग्रेजों द्वारा लागू की गई कानूनी व्यवस्था तथा उनकी नीति भी केवल सूदखोरों को मदद करती थी और ये अक्सर व्यापारी या भूस्वामी होते थे। अधिकतर मामलों में किसान पूरे ब्याज सहित कर्ज वापस नहीं कर पाते थे। अत: उनकी जमीनें धीरे-धीरे साहूकारों के हाथों में पहुँचती गईं।

अथवा

प्रश्न—1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम के कोई तीन कारण एवं परिणामों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम के तीन कारण निम्न हैं—

(1) राजनीतिक कारण।

(2) सामाजिक कारण।

(3) आर्थिक कारण।

1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम के परिणाम—1857 ई. के आन्दोलन का अंत हालांकि पराजय से हुआ। भारत में विदेशी शासन के विरुद्ध यह पहला व्यापक जन विरोध था। इससे भारत में निम्न परिवर्तन हुए—

(1) 1858 ई. में भारत में बेहतर सरकार अधिनियम के द्वारा इंग्लैण्ड की साम्राज्ञी ने भारत में प्रशासन का दायित्व सीधे अपने हाथ में लिया।

(2) 1861 ई. में इंडियन सिविल सर्विस एक्ट, इण्डियन कौंसिल एक्ट तथा इंडियन हाईकोर्ट एक्ट पारित कर कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका में परिवर्तन किये गये।

(3) इससे पूर्व 1858 ई. में प्रसिद्ध महारानी की घोषणा के द्वारा भारत की प्रजा के लिए कुछ अधिकारों तथा विशेषाधिकारों को स्वीकार किया गया।

प्रश्न 33. टिप्पणी लिखिए (कोई दो)—

(1) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (13 अप्रैल, 1919)

(2) रोलेट एक्ट (मार्च 1919)

(3) असहयोग आन्दोलन।

उत्तर—(1) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड (13 अप्रैल, 1919)—अमृतसर शहर के जलियाँवाला बाग में एक सभा आयोजित की गई। यह बाग सभी तरह से बंद था। आने-जाने वाला केवल एक ही रास्ता था। बैशाखी का त्योहार था। हजारों लोग बाहर से अमृतसर आये थे और सभी सभा में शामिल हो गये। स्थिति ने गम्भीर मोड़ ले लिया क्योंकि सरकार ने विरोध प्रदर्शन पर रोक लगा रखी थी।

जलियाँवाला बाग पर सभा की सूचना मिलते ही अमृतसर का सैनिक कमांडर जनरल डायर फौजी गाड़ियों में अपने सैनिकों को लेकर सभा स्थल पर पहुँचा और बिना बताये सभी पर गोलियाँ चलाने का आदेश दे दिया और गोलियाँ तब तक चलीं जब तक गोलियाँ खत्म न हो गईं। इसमें हजारों लोग शहीद हुए और हजारों घायल हो गए।

(2) रोलेट एक्ट—सिडनी रोलेट की अध्यक्षता में अंग्रेजी सरकार ने एक आयोग की स्थ. ापना की जो ऐसे कानून का प्रारूप तैयार करे जिससे सरकार के खिलाफ बोलने वालों को दबाया जा सके। 21 मार्च, 1919 को ऐसा कानून बन गया जिससे राजनीतिक आन्दोलन में भाग लेने वालों को बिना कारण बताये जब चाहे तब बन्दी बनाया जा सके। इसके बारे में कहा जाता है कि 'न वकील, न अपील, न दलील' कानून तोड़ने वालों को एक वर्ष का कठोर कारावास एवं एक हजार रुपये जुर्माने की सजा दी जा सकती थी।

(3) असहयोग आन्दोलन—चंपारण और खेड़ा में सफल प्रयोग के बाद भारत के अनेक भागों में असहयोग आन्दोलन शुरू किया गया। यहीं से भारत की आजादी की लड़ाई जन आन्दोलन में बदल गई।

असहयोग आन्दोलन का मुख्य कारण था सरकार की गलत नीतियों व सभी वर्गों विशेषकर किसानों का शोषण। व्यापक जन विरोध होने पर भी रोलेट एक्ट को वापस नहीं लिया गया था। सन् 1920 के नागपुर कांग्रेस अधिवेशन में गाँधी जी की सलाह पर देशबंधु चितरंजन दास ने सरकार के साथ असहयोग करने का प्रस्ताव रखा। लाला लाजपत राय ने इसका समर्थन किया, इसे मुसलमानों का भी समर्थन प्राप्त था।

प्रश्न 34. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित स्थलों को दर्शाइये—
कर्क रेखा, नेपाल, हिन्द महासागर, रायपुर, हीराकुड बाँध, बंगाल की खाड़ी।
उत्तर—

अथवा

प्रश्न—भारत के मानचित्र में निम्नलिखित स्थलों को दर्शाइये—

अंडमान और निकोबार, बंगाल की खाड़ी, भाखड़ा नांगल परियोजना, मुम्बई, भिलाई, हिन्द महासागर।

उत्तर—

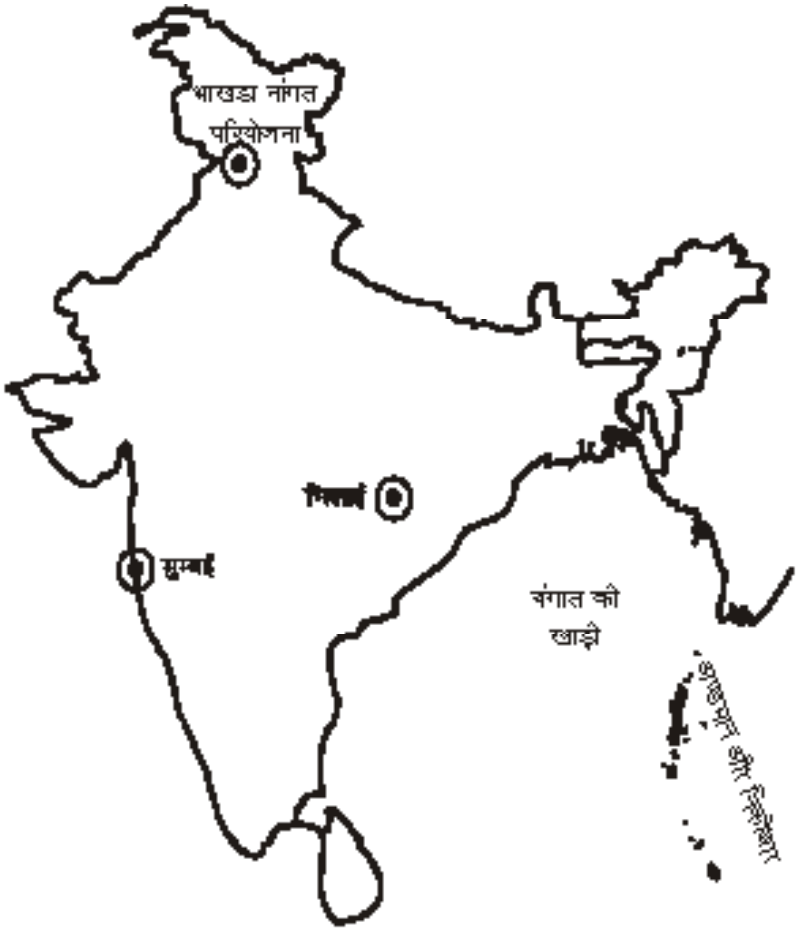

प्रश्न 35. जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक—

(1) भौतिक कारण—भूमि की बनावट का प्रभाव जनसंख्या के घनत्व पर पड़ता है। लोग सुगम क्षेत्रों में रहना चाहते हैं। ऊबड़-खाबड़ पर्वतीय क्षेत्रों तथा पठारों की अपेक्षा समतल नदी-घाटी वाले क्षेत्रों में घनी आबादी पायी जाती है। तटीय समतल क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है।

(2) जलवायु—अनुकूल जलवायु वाले क्षेत्रों में घनी आबादी होती है। इसके विपरीत अधिक गर्म, अधिक ठंडे वाले प्रदेशों में जनसंख्या का घनत्व कम होता है। जनसंख्या का घनत्व उन क्षेत्रों में अधिक पाया जाता है जहाँ की जलवायु मानव जीवन तथा कृषि विकास के लिए अनुकूल होती है।

(3) मिट्टी—कृषि का विकास मिट्टी की गुणवत्ता पर आधारित होता है। अधिक जलवायु मिट्टी वाले क्षेत्र अधिक बड़े जनसंख्या को सम्प्रेषित कर सकते हैं।

अथवा

प्रश्न—भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताएँ निम्न हैं—

(1) निरंतरता और परिवर्तन—हमारी संस्कृति के साथ ही बदलाव भी आ रहा है। भारत एक विशाल देश है। यहाँ भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजितक कई तरह की भिन्ताएँ होती हैं।

(2) अनेकता में एकता—हमारी संस्कृति की विविधता एक बड़ा कारण है। यहाँ कई तरीके के समूहों का समावेश है। समय के साथ दुनिया के कई भागों से लोग यहाँ आये और बसते चले गए। यहाँ अनेक जाति, धर्म, रीति-रिवाज आदि में विविधता है।

(3) प्रेम व धार्मिक सहिष्णुता—प्रेम व धार्मिक सहिष्णुता भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता है। भारतीय संस्कृति का यह विश्वास है कि सभी धर्म एक ही ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं। इनमें न कोई उच्च है, और न कोई निम्न, इसलिए सबके प्रति सम्मान की भावना को प्रत्येक भारतीय अपना कर्तव्य समझता है।

प्रश्न 36. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् हमारी सरकार द्वारा कौन-कौन से नीति-निर्देशक सिद्धान्तों को लागू किया गया है ? वर्णन कीजिए।

उत्तर—सरकार से अपने नागरिकों के सम्पूर्ण विकास के लिए जिन सिद्धान्तों का अनुसरण अपेक्षित होता है वे नीति निर्देशक तत्व कहलाते हैं।

हमारी सरकार के द्वारा निम्न नीति-निर्देशक सिद्धान्तों को लागू किया गया है—(1) सामाजिक तथा आर्थिक सिद्धान्त, (2) गाँधीवादी सिद्धान्त, (3) अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त, (4) विविध सिद्धान्त।

(1) सामाजिक तथा आर्थिक सिद्धान्त—राज्य लोककल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाये रखने और आय की असमानता को दूर करने के लिए निर्देशक तत्व को लागू करता है।

(2) गाँधीवादी सिद्धान्त—भारतीय संविधान के निर्माताओं ने कुछ ऐसे सिद्धान्तों को भी शामिल किया जो महात्मा गाँधी को अति ''य थे। गाँधी जी ने ब्रिटिश शासकों के विरुद्ध अपने आन्दोलन में इनका समर्थन किया था।

(3) अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त—कुछ निर्देशक सिद्धान्तों का सम्बन्ध हमारी नीति से है जो शान्ति और सहयोग पर आधारित है।

(4) विविध सिद्धान्त—कुछ ऐसे नीति निर्देशक सिद्धान्त हैं जो उपरोक्त तीन वर्गों में से किसी में भी नहीं रखे जा सकते। इनको विविध श्रेणी में रखा गया है।

अथवा

प्रश्न—जनमत निर्माण के साधनों को समझाइये।

उत्तर—जनमत के साधन—

(1) संचार माध्यम—जनसंचार का सर्वाधिक प्रभावकारी तरीका संचार माध्यम है। प्रेस, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा को सम्मिलित रूप से संचार माध्यम कहा जाता है। समाचार-पत्र, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय सूचना, राजनीतिक विचारधाराओं, सरकारी नीतियाँ आदि।

(2) राजनीतिक दल—राजनीतिक दलों/हित दबाव समूहों दोनों को जन समर्थन पाने में सीधे हित होते हैं। इस तरह वे जनता को काफी सूचनाएँ और विचार मुहैया कराते हैं।

(3) चुनाव—लोकतान्त्रिक दल अपने-अपने पक्ष में चुनाव घोषणा-पत्र प्रकाशित करता है, जिसमें चुनाव प्रचार, अपीलें और प्रदर्शन जनमत बनाने में लोगों की मदद करते हैं।

(4) सामाजिक और शैक्षणिक संस्थान—विभिन्न सामाजिक संगठन तथा संस्थाएँ अपनी गतिविधियों से जनता को अच्छे-बुरे की शिक्षा देते हैं। ये संस्थाएँ उन्हें महत्वपूर्ण सामाजिक समस्याओं से भी अवगत कराते हैं।

प्रश्न 37. भारत के राष्ट्रपति पद हेतु आवश्यक योग्यताएँ बताते हुए उसकी किन्हीं दो शक्तियों को समझाइये।

उत्तर—राष्ट्रपति की योग्यता—(1) वह भारत का नागरिक हो। (2) वह कम से कम 35 वर्ष का हो। (3) संसद की सदस्य होने की योग्यता रखता हो। (4) वह केन्द्र सरकार, राज्य सरकार या स्थानीय स्वायत्त शासन निकाय में किसी लाभ के पद पर न हो।

राष्ट्रपति की दो शक्तियाँ—

(1) न्यायिक शक्तियाँ—राष्ट्राध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति को कुछ न्यायिक शक्ति भी प्राप्त है। उदाहरणार्थ—उसे न्यायालय या सेना न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति को दी गई सजा को कम करने, स्थगित करने या माफ करने का अधिकार प्राप्त है। मृत्यु दण्ड को माफ करने का अधिकार केवल राष्ट्रपति को प्राप्त है। इसके अतिरिक्त वह किसी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय का परामर्श भी ले सकता है।

(2) आपातकालीन शक्तियाँ—राष्ट्रपति को कुछ संकटकालीन शक्तियाँ प्राप्त हैं—

(1) युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र बगावत से उत्पन्न संकट।

(2) वित्तीय संकट।

(3) भारत संघ के किसी राज्य में सांविधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न संकट।

अथवा

प्रश्न—संसद के दोनों सदनों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

उत्तर—संसद के दोनों सदनों की तुलनात्मक विवेचना—

(1) लोकसभा जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचित सदन है, जबकि राज्यसभा परोक्ष निर्वाचित तथा आंशिक रूप से मनोनीत सदन है।

(2) साधारण विधेयक के सम्बन्ध में दोनों सदनों को लगभग एक समान शक्तियाँ प्राप्त हैं परन्तु अंतिम विश्लेषण में लोकसभा राज्यसभा से शक्तिशाली हो जाती है।

(3) धन विधेयक के सम्बन्ध में लोकसभा सर्वशक्ति सम्पन्न है जबकि राज्यसभा को केवल औपचारिक शक्ति प्राप्त है।

(4) लोकसभा तथा राज्यसभा राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में समान अधिकार धारण करती है।

(5) दोनों को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, उच्चतम तथा उच्च न्यायाधीशों के पदच्युत के सम्बन्ध में भी समान अधिकार प्राप्त हैं।

(6) संविधान में संशोधन के सम्बन्ध में भी दोनों सदनों की शक्तियाँ समान हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—मई-जून, 2011

कक्षा 10वीं

विषय—सामाजिक विज्ञान

सेट—4

निर्देश—(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 22 तक के प्रश्न वस्तुनिष्ठ तथा अतिलघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 1 अंक आबंटित है।

(iii) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक के प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक पर 4 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 50 शब्द है।

(iv) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 6 अंक आबंटित हैं। उत्तर की शब्द सीमा 120 शब्द है।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. किस उद्योग में सबसे पहले औद्योगिक क्रांति आरम्भ हुई ?

(क) सूती उद्योग (ख) सड़क निर्माण

(ग) लौह एवं इस्पात उद्योग (ध) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(ग) लौह एवं इस्पात उद्योग।

प्रश्न 2. भारत ने गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाई क्योंकि—

(क) वह साम्यवादी देशों से मित्रता चाहता था (ख) वह तीसरा गुट बनाना चाहता था

(ग) वह स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाना चाहता था (घ) वह तटस्थता में आस्था रखता था।

उत्तर—(ग) वह स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाना चाहता था।

प्रश्न 3. भारत के किस पठारी क्षेत्र में खनिजों का भण्डार है—

(क) छोटा नागपुर का पठार (ख) मालवा का पठार

(ग) दक्कन का पठार (घ) शिलांग।

उत्तर—(क) छोटा नागपुर का पठार।

प्रश्न 4. भारत में मतदान करने की न्यूनतम आयु क्या है—

(क) 16 वर्ष (ख) 17 वर्ष

(ग) 18 वर्ष (घ) 21 वर्ष।

उत्तर—(ग) 18 वर्ष।

प्रश्न 5. स्त्री और पुरुष दोनों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिलता है जिसे रखा गया है—

(क) सामाजिक तथा आर्थिक सिद्धान्त (ख) गाँधीवादी सिद्धान्त
(ग) अन्तर्राष्ट्रीय सिद्धान्त (घ) विविध सिद्धान्त।

उत्तर—(घ) विविध सिद्धान्त।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

प्रश्न 6. दशकों पहले पूर्व सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य राजनीतिक प्रतिद्वन्द्विता को ..... नाम से जाना जाता है।

उत्तर—शीतयुद्ध।

प्रश्न 7. पेड़-पौधे और ..... के सड़े-गले अवशेषों को ह्यूमस कहते हैं।

उत्तर—जीव-जन्तु।

प्रश्न 8. संसार में चीनी के उत्पादन में भारत का ..... स्थान है।

उत्तर—दूसरा।

प्रश्न 9. तेलुगू देशम तथा राष्ट्रीय जनता दल भारत के ..... दल हैं।

उत्तर—क्षेत्रीय।

प्रश्न 10. कोई जीव-जीवाणु की तरह छोटा या ..... की तरह बड़ा होता है।

उत्तर—व्हेल।

सत्य व असत्य लिखिए—

प्रश्न 11. पाषाण काल में मानव खेती-बाड़ी करना तथा मिट्टी के बर्तन बनाना जानते थे।

उत्तर—असत्य।

प्रश्न 12. विश्वशांति के लिए भारत का लोकतान्त्रिक और अखण्ड बने रहना आवश्यक है।

उत्तर—सत्य।

प्रश्न 13. सती प्रथा का विरोध राजा राममोहन राय ने किया था।

उत्तर—सत्य।

प्रश्न 14. फिरौती के लिए अपहरण मानवाधिकार का उल्लंघन है।

उत्तर—सत्य।

प्रश्न 15. गाँव का मुखिया सरपंच होता है।

उत्तर—सत्य।

एक शब्द में उत्तर दीजिए—

प्रश्न 16. उस विश्व संस्था का नाम बताइए, जिसका इस्तेमाल भारत विश्वशांति को बढ़ावा देने के लिए करता है।

उत्तर—संयुक्त राष्ट्र संघ।

प्रश्न 17. किस ब्रिटिश शासक ने स्थायी बन्दोबस्त लागू किया था ?

उत्तर—कार्नवालिस।

प्रश्न 18. तमिल लोगों की सबसे पुरानी भाषा है।

उत्तर—द्रविड़।

प्रश्न 19. नीति-निर्देशक सिद्धान्त संविधान के किस भाग में रखा गया है ?

उत्तर—भाग-4.

प्रश्न 20. मानवाधिकार की विश्वव्यापी घोषणा कब हुई ?

उत्तर—10 दिसम्बर, 1948.

प्रश्न 21. मंत्रिपरिषद् और राष्ट्रपति के बीच कौन कड़ी का कार्य करता है ?

उत्तर—प्रधानमंत्री।

प्रश्न 22. परिवार नियोजन कार्यक्रम भारत में कब शुरू हुआ ?

उत्तर—सन् 1951.

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

प्रश्न 23. पुनर्जागरण का क्या अर्थ है ?

उत्तर—सामंती व्यवस्था के पतन के साथ ही एक नए वैचारिक आन्दोलन का जन्म हुआ जिसे पुनर्जागरण के नाम से जाना जाता है। रेनेसां का शाब्दिक अर्थ है पुनर्जागरण।

इसका आरम्भ सन् 1350 में इटली में हुआ।

अथवा

प्रश्न—भारत में साम्राज्यवाद के किन्हीं दो प्रभावों को लिखिए।

उत्तर—भारत में साम्राज्यवाद के दो प्रभाव निम्नलिखित हैं—

(1) राष्ट्रीय एकीकरण।

(2) पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार।

प्रश्न 24. शीतयुद्ध का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर—शीतयुद्ध एक ऐसी स्थिति है जिसमें राष्ट्रों के बीच युद्ध-सा तनाव बना रहता है। इसमें प्रत्येक राष्ट्र एक-दूसरे को नीचा दिखाने और कमजोर बनाने की चेष्टा करता है। शीत युद्ध में अस्त्र-शस्त्र का प्रयोग नहीं होता किन्तु शब्दों का युद्ध इतना तीव्र और तीक्ष्ण होता है कि किसी भी समय सशस्त्र युद्ध की नौबत आ सकती है।

अथवा

प्रश्न—गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के दो उद्देश्य—

(1) शांति को स्थायी बनाना।

(2) राष्ट्रों के बीच शांतिपूर्ण सहअस्तित्व।

प्रश्न 25. गाँधी-इरविन समझौता की प्रमुख शर्तें लिखिए।

उत्तर—गाँधी-इरविन समझौता की मुख्य शर्तें निम्न हैं—

(1) वायसराय ने माना कि वह सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा कर देगा सिवाए उनके जिन पर हिंसा व हत्या के अभियोग चल रहे हैं।

(2) गाँधी जी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन वापस लेने की बात मानी।

(3) द्वितीय गोलमेज कांफ्रेस में भाग लेने की बात भी मानी गई।

अथवा

प्रश्न—जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड की घटना को समझाइये।

उत्तर—अमृतसर शहर के जलियाँवाला बाग में एक सभा आयोजित की गई। यह बाग सभी तरह से बंद था। आने-जाने वाला केवल एक ही रास्ता था। बैशाखी का त्योहार था। हजारों लोग बाहर से अमृतसर आये थे और सभी सभा में शामिल हो गये। स्थिति ने गम्भीर मोड़ ले लिया क्योंकि सरकार ने विरोध प्रदर्शन पर रोक लगा रखी थी।

जलियाँवाला बाग पर सभा की सूचना मिलते ही अमृतसर का सैनिक कमांडर जनरल डायर फौजी गाड़ियों में अपने सैनिकों को लेकर सभा स्थल पर पहुँचा और बिना बताये सभी पर गोलियाँ चलाने का आदेश दे दिया और गोलियाँ तब तक चलीं जब तक गोलियाँ खत्म न हो गईं। इसमें हजारों लोग शहीद हुए और हजारों घायल हो गए।

प्रश्न 26.भारत के मानचित्र में निम्न को दर्शाइए—

(क) नर्मदा नदी (ख) मुम्बई
(ग) हीराकुड परियोजना (घ) चावल उत्पादक राज्य।
उत्तर—

अथवा

(क) महानदी (ख) दिल्ली
(ग) कपास उत्पादक राज्य (घ) चिल्का झील।
उत्तर—

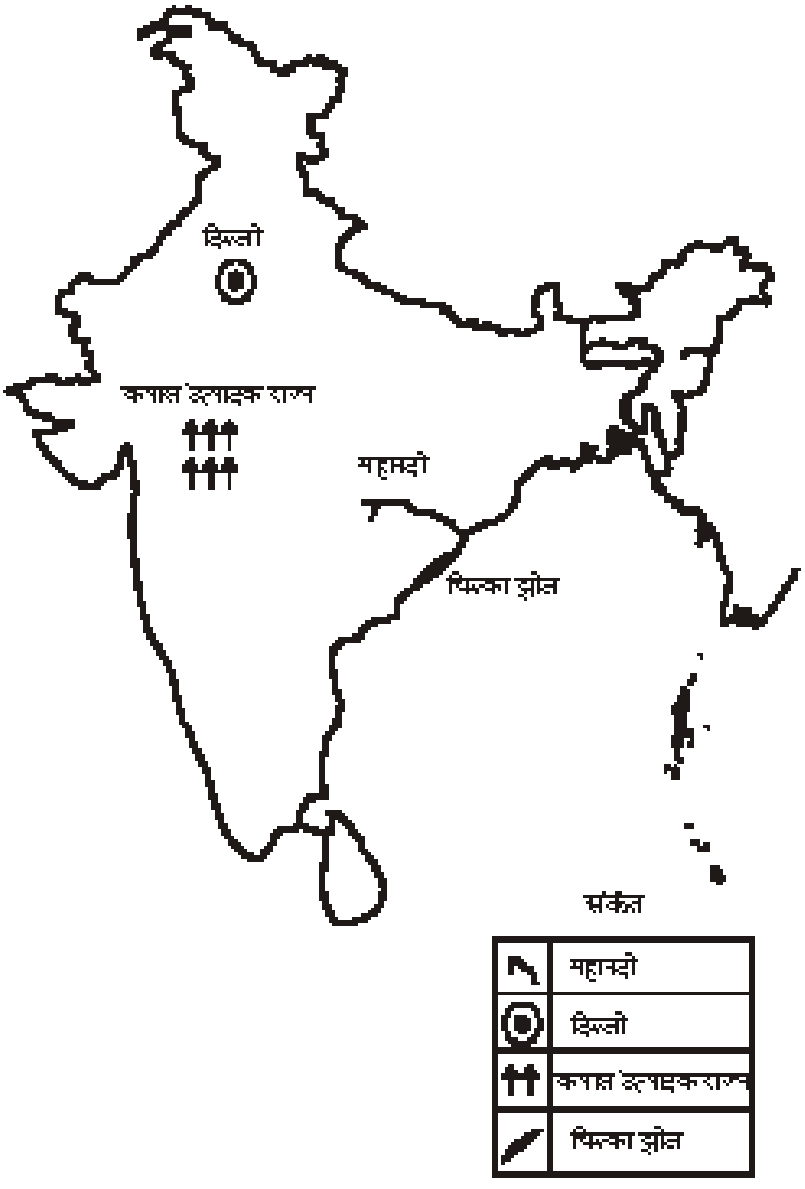

प्रश्न 27. लिंग अनुपात किसे कहते हैं ?

उत्तर—किसी देश या दिये गए क्षेत्र के कुल जनसंख्या में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं। यह एक निष्पक्ष सामाजिक संकेतक है जो समाज में विद्यमान महिलाओं व पुरुषों की समानता का मापक है।

अथवा

प्रश्न—जनसंख्या वृद्धि के दो कारण बताइये।

उत्तर—जनसंख्या वृद्धि के दो कारण—

(1) विवाह की अनिवार्यता—भारत में सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टि से विवाह एक आवश्यक संस्कार माना जाता है। विवाह को संतान उत्पत्ति के लिए आवश्यक माना जाता है।

(2) धार्मिक और सामाजिक अंधविश्वास—भारतीय जनता संतान को ईश्वरीय देन मानती है, उसमें किसी तरह हस्तक्षेप करना सही नहीं मानती है जिसके फलस्वरूप जन्मदर अधिक रहती है।

प्रश्न 28. समानता के अधिकार को समझाइये।

उत्तर—यह अधिकार सामान्यतया भेदभाव को अवैध करता है और समस्त व्यक्तियों को विधि में समझ, समानता की प्रत्याभूति करता है। समान परिस्थितियों में समान व्यवहार करना। इस अधिकार में राज्य के किसी भी नागरिक के विरुद्ध केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी आधार पर कोई नागरिक दुकानों, सार्वजनिक भोजनालयों, होटलों और सार्वजनिक मनोरंजन के स्थानों में प्रवेश से रोक सकता है।

अथवा

प्रश्न—बन्दी प्रत्यक्षीकरण के रिट को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—''सशरीर सामने पेश करना'' अर्थात् इस आदेश के अन्तर्गत न्यायालय को अधिकार है कि वह बंदी बनाये गये किसी व्यक्ति को अपने सामने प्रस्तुत करने का आदेश दे सकता है। यह लेख उस व्यक्ति की प्रार्थना पत्र पर जारी किया जाता है, जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है।

प्रश्न 29. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दो कार्य लिखिए।

उत्तर—राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दो कार्य—

(1) मानवाधिकार के उल्लंघन के कृत्य-उपेक्षा की जाँच।

(2) किसी लोक अधिकारी द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन के मामले को रोकने में की गयी उपेक्षा की जाँच।

अथवा

प्रश्न—लोकतंत्र की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर—लोकतंत्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) जनता का प्रतिनिधित्व—इसके अंतर्गत जनता की प्रतिनिधि सरकार द्वारा ही शासन किया जाता है। इस प्रकार शासन का आधार दैवी न होकर लौकिक होता है।

(2) जनता के हितों का रक्षण—लोकतंत्र में शासन का अस्तित्व जनता के हितों की रक्षा के लिए होता है अर्थात् लोकतंत्र में सरकार सदैव एक साधन के रूप में ही होती है साध्य रूप में नहीं।

(3) जनता के प्रति उत्तरदायित्व—इसके अन्तर्गत सरकार जनता के प्रति उत्तरदायी होती है अर्थात् यदि शासक द्वारा अपनी शक्ति का प्रयोग सर्वसाधारण के हित में नहीं किया जाता है तो सर्वसाधारण द्वारा शासन में परिवर्तन किया जा सकता है।

(4) जनता का राजनीतिक शिक्षण—लोकतंत्र में समय-समय में होने वाले चुनाव के माध्यम से मतदाता को अपने विचार का उचित व अनुचित प्रयोग करने का माध्यम होता है।

प्रश्न 30 जिला परिषद् के चार कार्य लिखिए।

उत्तर—जिला परिषद् के चार कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) सलाहकारी कार्य—यह जिला के विकासशील कार्यों के सम्बन्ध में सरकार को सलाह देती है तथा जिला परिषद् की आबंटित योजनाओं के क्रियान्वयन में सलाहकारी भूमिका निभाती है।

(2) वित्तीय कार्य—परिषद पंचायत समिति के बजट का पर्यवेक्षण और अनुमोदन करती है तथा केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा जिला परिषद् को आबंटित धन को पंचायत समितियों में विभ. ाजित करती है।

(3) विकास कार्य—जिले के विकास कार्यों और क्रियान्वित योजनाओं तथा प्रखण्ड के अन्य क्रियाकलापों की निगरानी करना।

(5) सामाजिक कार्य—इसके कार्य पंचायत तथा पंचायत समितियों जैसे ही हैं अर्थात् सड़क और पुल का निर्माण तथा उद्यान और पीने के पानी की व्यवस्था करना है।

अथवा

प्रश्न—राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ कौन-सी हैं ?

उत्तर—राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ निम्न हैं—

(1) युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र बगावत से उत्पन्न संकट।

(2) भारत संघ के किसी राज्य में सांविधानिक तंत्र की विफलता से उत्पन्न संकट।

(3) वित्तीय संकट

उपर्युक्त परिस्थितियों में वह संकटकालीन स्थिति की घोषणा करता है।

प्रश्न 31. भारत के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनने की चार योग्यताओं को लिखिए।

उत्तर—भारत के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनने के चार योग्यताएँ—

(1) वह भारत का नागरिक हो।

(2) वह 25 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।

(3) वह पागल या दिवालिया न हो।

(4) वह समय-समय पर कानून के अनुरूप योग्यता रखता हो।

अथवा

प्रश्न—ग्राम पंचायत के चार कार्य लिखिए।

उत्तर—ग्राम पंचायत के चार कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) मेला, बाजारों की व्यवस्था करना।

(2) जन्म, मृत्यु विवाह का पंजीयन करना।

(3) जनगणना के कार्य में सहयोग करना।

(4) कार्य संचालन के लिए स्थानीय समितियाँ गठित करना।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर—

प्रश्न 32. द्वितीय विश्व युद्ध के तीन परिणामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—द्वितीय विश्व युद्ध के तीन परिणाम—

(1) द्वितीय विश्व युद्ध में अधिक मात्रा में जन, धन एवं संसाधनों की बर्बादी हो गयी।

(2) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका व रूस का महाशक्ति के रूप में उदय होना महत्वपूर्ण परिणाम है।

(3) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व दो गुटों में बँट गया पहला साम्यवादी और दूसरा पूँजीवादी।

(4) दो गुटों के निर्माण से विश्व में शीत युद्ध की स्थिति बन गई।

अथवा

प्रश्न—औद्योगिक क्रांति का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—औद्योगिक क्रांति का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर प्रभाव—

(अ) आर्थिक जीवन पर प्रभाव—

(1) मानव की सुख-सुविधाओं में वृद्धि हुई।

(2) विभिन्न देशों के बीच गहरे आर्थिक सम्बन्ध कायम हुए।

(ब) सामाजिक जीवन पर प्रभाव—

(1) नये वर्गों की उत्पत्ति और उनके बीच संघर्ष।

(2) स्वतंत्र दस्तकारों तथा बेकारी में वृद्धि।

(3) पारिवारिक जीवन पर बुरा प्रभाव।

(4) नगरों का विकास।

(5) शहरों में नैतिक पतन तथा अपराधों में वृद्धि हुई।

प्रश्न 33. 1857 की क्रांति के प्रमुख तीन कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—सन् 1857 ई. की क्रांति के प्रमुख कारण निम्न हैं—

(1) राजनीतिक कारण—देशी राज्यों को अपने राज्य में मिलाने की नीति गवर्नर-जनरल लार्ड डलहौजी द्वारा चूक के सिद्धान्त को मनमाने ढंग से लागू करना और राजाओं और सामंतों की पेंशन उपाधियों को समाप्त करने जैसे कारणों के साथ अवध पर अंग्रेजों के कब्जे में आग में घी डालने का काम किया।

(2) सामाजिक-धार्मिक कारण—ईसाइयों के धर्म प्रचार करने, लोगों को लालच देकर ईसाई बनाने, सती प्रथा बंद करने, विधवा विवाह को लागू करने, हिन्दू धर्म की निंदा करने आदि से भारतीय जनता अंग्रेजों के विरुद्ध हो गई।

(3) आर्थिक कारण—अंग्रेजों के आर्थिक और प्रशासनिक नीतियों ने देशी राजघरानों, उनके आश्रितों, परम्परागत जमींदारों, ताल्लुकदारों, किसानों, कारीगरों और दस्तकारी अर्थात् सबको प्रभावित किया था।

अथवा

प्रश्न—ईश्वरचन्द्र विद्यासागर द्वारा कन्याओं की शिक्षा के लिए किये गये कार्यों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर—ईश्वरचन्द्र विद्यासागर का योगदान किसी से कम महत्व नहीं रखता। उन्होंने बंगाल में लगभग 35 बालिका विद्यालयों की स्थापना में सहायता एवं सहयोग दिया। वे स्त्री शिक्षा के प्रचार-प्रसार के समर्थक थे। संस्कृत कॉलेज में गैर-ब्राह्मण छात्रों का प्रवेश इनके प्रयासों से ही सम्भव हो सका। उन्होंने शिक्षा के प्रसार के लिए सशक्त प्रयास कर 1857 में एक बालिका विद्यालय की स्थापना की। विद्यासागर का यह कठिन प्रयास अंतत: सफल हुआ और हिन्दू विधवा विवाह कानून 26 जुलाई, 1856 में पारित हुआ। इस कानून ने विधवा विवाह को कानूनी रूप से वैध ठहराया। उन्होंने नारी शिक्षा का भी खुलकर समर्थन किया।

प्रश्न 34. भारत में राष्ट्रीय चेतना के उदय के प्रमुख कारण कौन-कौन से हैं ? लिखिए।

उत्तर—भारत में राष्ट्रीय चेतना के उदय के प्रमुख कारण निम्न हैं—

(1) भारत में अंग्रेजी भाषा का प्रारम्भ एवं नवीन विचारों का प्रादुर्भाव—अंग्रेजों ने अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग आरम्भ किया। यह मुख्यत: प्रशासनिक कार्यों के लिए क्लर्क, एजेण्ट तथा अन्य अधीनस्थ स्टाफ की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया गया।

(2) साहित्य एवं प्रेस का विकास—साहित्य एवं प्रेस के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों एवं आर्थिक समस्याओं या लेखों तथा शासन के अन्याय व अनुचित कार्यों की आलोचना पढ़कर भी भारतीय जनता में राष्ट्रीय भावना का विकास हुआ।

(3) अंग्रेजों की आर्थिक नीतियाँ—अंग्रेजों ने भारत का शोषण करना ही अपनी प्रमुख आर्थिक नीति बना रखी थी। भारत का आर्थिक दोहन ही उनका मुख्य उद्देश्य था। दादाभाई नौरोजी ने ''पावर्टी एवं ब्रिटिश रूल इन इण्डिया'' नामक ग्रंथ में भारत से अंग्रेजों द्वारा ब्रिटेन की धन प्रवाह नीति को स्पष्ट किया इससे भी भारतीयों के मन में अंग्रेजों के खिलाफ आक्रोश की भावना जागृत हुई।

(4) पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव—अंग्रेजी भाषा की शिक्षा का माध्यम बनाने में भारत को एक साझी भाषा मिल गई और वे एक-दूसरे के निकट आये। अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर अनेक भारतीयों ने पश्चिमी देश के साहित्य का भी अध्ययन किया। इस साहित्य में राष्ट्रीयता और स्वतंत्रता के महत्व का पता चला।

अथवा

प्रश्न—गरमदल के उदय के क्या कारण थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—गरमदल के उदय के निम्न कारण थे—

(1) समाज सुधारकों का प्रभाव—समाज सुधारकों जैसे स्वामी विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती, एनी बेसेंट के प्रभाव का गहरा प्रभाव पड़ा।

(2) प्रेस तथा साहित्य—समाचार पत्र केसरी, बाजार पत्रिका, हिन्दू, युगांतर तथा अनेक पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हुईं जिन्होंने समाज सुधार को और गरमपंथियों के विचारों को लोकप्रिय बनाया।

(3) लार्ड कर्जन की दमन नीति—लार्ड कर्जन सन् 1894 में वायसराय के रूप में भारत आया। योग्य प्रशासक होने तथा प्रशासन में अनेक रचनात्मक परिवर्तन लाने के बावजूद उसकी नीतियाँ अपनी प्रकृति में भारत विरोधी थीं।

(4) उदारवादियों की माँगों का पूर्ण न होना—अंग्रेजों द्वारा उदारवादी नेताओं की बार-बार की जाने वाली माँगों की उपेक्षा होने पर युवा सदस्य प्रभावी होते गए।

प्रश्न 35. बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं के उद्देश्य निम्न हैं—

(1) जल विद्युत उत्पादन—इन परियोजनाओं से जल विद्युत का उत्पादन भी किया जाता है। भारी लागत और लम्बे निर्माणकाल के बावजूद यह कम खर्चा का साबित होता है।

(2) बाढ़ नियंत्रण—बाँधों के पीछे बनी झीलों में वर्षा के जल को इकट्ठा करके बाढ़ों को रोकने का प्रयास किया गया है। अनेक नदी-घाटी परियोजनाएँ बाढ़ नियंत्रण में काफी सहायक सिद्ध हुई हैं।

(3) औद्योगिक विकास—औद्योगिक विकास के लिए ऊर्जा जल विद्युत तथा स्वच्छ जल इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। जैसे—दक्षिण-पूर्वी बिहार, पश्चिम बंगाल के उद्योगों को दामोदर घाटी परियोजना से जल विद्युत तथा स्वच्छ जल की आपूर्ति होती है।

(4) सिंचाई—बाँधों के पीछे बनी झीलों से नहरें निकालकर सिंचाई की जाती है। इन योजनाओं की सहायता से ही आज हम 33% से अधिक कृषि की सिंचाई करने में समर्थ हो गये हैं।

(5) मत्स्य पालन—बाँधों के पीछे बनी कृत्रिम झीलों में वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन किया जाता है। इससे लोगों की रोजी-रोटी चल रही है।

(6) मनोरंजन और पर्यटन—ये परियोजनाएँ आकर्षण पर्यटन केन्द्र बन गई हैं। अनेक पर्यटक मनोरंजन के लिए यहाँ आते हैं।

अथवा

प्रश्न—भारत में सिंचाई की आवश्यकता क्यों है ?

उत्तर—भारत में सिंचाई की आवश्यकता के निम्न कारण हैं—(1) वर्षा की अनिश्चितता से बचने के लिए, (2) वर्षा का असमान वितरण, (3) वर्षा की अल्प अवधि का होना, (4) जनसंख्या वृद्धि, (5) मिट्टी का स्वरूप, (6) चारा उगाने के लिए, (7) कुछ फसलों के लिए जल की आवश्यकता, (8) वर्षा के बौछार के रूप में होना।

प्रश्न 36. सड़कों का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर—निर्माण और प्रबन्ध की दृष्टि से भारत की सड़कों को पाँच वर्गों में बाँटा गया है—

(1) राष्ट्रीय महामार्ग—ये सड़कें देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये देश के एक छोर से दूसरे छोर को जोड़ती हैं। ये राज्यों की राजधानी और देश के प्रमुख नगरों को आपस में जोड़ती हैं। इसका निर्माण व रख-रखाव केन्द्र सरकार करती है।

(2) राज्य महामार्ग—इन सड़कों के निमार्ण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार व केन्द्र सरकार करती है। ये सड़कें प्रमुख नगरों व जिला मुख्यालयों को जोड़ती हैं।

(3) जिले की सड़कें—जिला प्रशासन इन्हें बनाता है और इनकी देखभाल करता है। ये सड़कें जिले के कस्बों और नगरों को आपस में जोड़ती हैं।

(4) गाँव की सड़कें—ये सड़कें गाँव को आपस में तथा गाँव को राष्ट्रीय महामार्गों और जिले की सड़कों से जोड़ती हैं।

(5) सीमा व सड़कें—सीमा सड़क संगठन देश की सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कें बनाता और रख-रखाव करता है। देश की सुरक्षा के लिए इन सड़कों का बड़ा भारी महत्व है।

अथवा

प्रश्न—दूरसंचार की नवीन सेवाएँ कौन-कौन सी हैं ? समझाइये।

उत्तर—दूर संचार की नई सेवाएँ—

(1) चलित फोन—इस सेवा का प्रारम्भ 1995 में चार महानगरों से किया गया था। अब 18 प्रादेशिक दूरसंचार वृत्तों में यह सेवा उपलब्ध है। 13 सितम्बर, 2002 तक इनकी संख्या 81.7 लाख हो गई थी। इसी दिन तक यह सेवा भारत के 1370 नगरों/कस्बों में उपलब्ध थी।

(2) आई. एस. डी.—यह स्वचालित सेवा है। लगभग सभी देशों से इस सेवा के माध्यम से सम्पर्क किया जा सकता है। उपग्रह संचार और समुद्री केबलों द्वारा इस सेवा ने आशातीत प्रगति की है। इनमें आंकड़ा, प्रेषण, फैक्स, मोबाइल, रेडियो आदि आते हैं।

(3) एस. टी. डी.—इसके अन्तर्गत भारत के 21,570 स्थानों से टेलीफोन सम्पर्क साधा जा सकता है।

(4) आई. एस. डी. एन.—टेलीफोन के साथ कुछ उपकरण लगाकर इस सेवा का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग किया जा सकता है। भारत के महानगर टेलीफोन निगम तथा विदेश संचार द्वारा ये सेवाएँ दी जा रही हैं।

(5) पी. सी. ओ.—जिन लोगों के पास अपने टेलीफोन कनेक्शन, एस. टी. डी. और आई. एस. डी. की सुविधा नहीं है उनके लिए यह सेवा वरदान है। 30 सितम्बर, 2001 को भारत में 9,39,726 पी. सी. ओ. थे। 1991 की जनगणना के अनुसार भारत में 6,07,491 गाँव थे। इनमें से 4,28,214 गाँवों में पी. सी. ओ. सेवा उपलब्ध थी।

प्रश्न 37. आदर्श नागरिक के गुणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—आदर्श नागरिक के गुण—

(1) देश के प्रति निष्ठा—एक अच्छा नागरिक वही है जो देश के प्रति प्रेम, समर्पण, त्याग की भावना रखता हो। देशभक्ति नागरिकों के अन्दर कूट-कूटकर भरी होनी चाहिए।

(2) सार्वजनिक मामलों की जानकारी—लोकतंत्र में अपने अधिकारों का उपयोग करे तथा

अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक मामलों का ज्ञान होना चाहिए। व्यक्तियों को अच्छा नागरिक बनाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

(3) मतदान करना—हमारे देश में अनिवार्य मतदान नहीं है। अत: एक अच्छे नागरिक का कर्तव्य है कि वह मतदान करे और अपने अधिकार का प्रयोग करे।

(4) अनुशासनबद्धता—एक अच्छे नागरिक को अनुशासन में रहकर कार्य करना चाहिए। सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करनी चाहिए। देश के कानून का पालन करना चाहिए।

अथवा

प्रश्न—मौलिक अधिकार किसे कहते हैं ? उनके नाम लिखिए।

उत्तर—ऐसे अधिकार जो नागरिकों के जीवनयापन तथा उनके व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य होते हैं उन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं। मूल संविधान में हमें 7 मौलिक अधिकार प्रदान किये हैं—

(1) समानता का अधिकार, (2) स्वतंत्रता का अधिकार, (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार, (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, (5) सम्पत्ति का अधिकार, (6) सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार, (7) संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

प्रश्न 38. मृदा प्रदूषण के तीन कारण लिखिए।

उत्तर—मृदा प्रदूषण के तीन कारण निम्न हैं—

(1) खानों, खदानों आदि की मृदा में अनेक प्रदूषण पदार्थ पाये जाते हैं। ये पदार्थ विषैले होते हैं जो पौधों के शरीर में एकत्रित होकर बाद में मनुष्यों तथा पशुओं के शरीरों में पहुँचकर रोग उत्पन्न कर देते हैं।

(2) अनेक उद्योग, जैसे—लुग्दी व कागज मिल, तेलशोधक कारखाने, रासायनिक खाद के कारखाने, लौह व इस्पात कारखाने, प्लास्टिक व रबर संयंत्र आदि मृदा प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं।

(3) रेडियोधर्मी पदार्थ मृदा में पहुँचकर अनेक प्रकार से हानियाँ पहुँचाते हैं। इनसे पौधे नष्ट हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त पौधों द्वारा अनेक हानिकारक पदार्थ मनुष्यों तथा जीवों में पहुँचते हैं और भयंकर रोग पैदा करते हैं।

अथवा

प्रश्न—वायु प्रदूषण की रोकथाम के उपाय बताइये।

उत्तर—वायु प्रदूषण दूर करने के उपाय—

(1) प्रत्येक बस्ती में पर्याप्त संख्या में पेड़-पौधे लगाने चाहिए तथा वनस्पति उगानी चाहिए।

(2) जिन घरों में अंगीठी आदि जलाई जाती है, वहाँ धुएँ के निकलने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए एक ऊँची चिमनी लगानी चाहिए।

(3) मकानों को यथासम्भव सड़कों से दूर बनाना चाहिए तथा मकानों में सूर्य का प्रकाश आने की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

(4) खाली भूमि नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि खाली भूमि में धूल उड़ती है जो वायु को दूषित करती है।

(5) औद्योगिक संस्थाओं तथा कारखानों को बस्ती से दूर रखना चाहिए।

(6) जहाँ अधिक वाहन चलते हैं, वहाँ सड़कें पक्की होनी चाहिए।

●●

छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल परीक्षा

सॉल्व्ड पेपर—2010

कक्षा 10वीं

विषय—सामाजिक विज्ञान

सेट—5

निर्देश—(i) सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
(ii) प्रश्न क्रमांक 1 से 15 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 1 अंक निर्धारित है।
(iii) प्रश्न क्रमांक 16 से 22 तक अतिलघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।
(iv) प्रश्न क्रमांक 23 से 31 तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक पर 4 अंक निर्धारित हैं।
(v) प्रश्न क्रमांक 32 से 38 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। शब्द सीमा 100 शब्द है तथा प्रत्येक पर 6 अंक निर्धारित हैं।

सही विकल्प चुनकर लिखिए—

प्रश्न 1. भारत तक समुद्री मार्ग का पता किसने लगाया था—
(अ) डियास (ब) वास्कोडिगामा
(स) कोलम्बस (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
उत्तर—(ब) वास्कोडिगामा।

प्रश्न 2. गुटनिरपेक्षता क्या है—
(अ) संसार की घटनाओं से तटस्थ रहना (ब) दोनों गुटों से मित्रता रखना
(स) संसार के सभी देशों से दूर रहना (द) स्वतंत्र नीति का पालन करना।
उत्तर—(द) स्वतंत्र नीति का पालन करना।

प्रश्न 3. ब्रह्म समाज की स्थापना किस समाज सुधारक द्वारा की गई—
(अ) दयानंद सरस्वती (ब) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
(स) राजा राममोहन राय (द) स्वामी विवेकानन्द।
उत्तर—(स) राजा राममोहन राय।

प्रश्न 4. भारत की संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष थे—
(अ) डॉ. बी. आर. अम्बेडकर (ब) डॉ. सच्चिदानन्द
(स) पं. जवाहरलाल नेहरू (द) मुंशीदास।
उत्तर—(ब) डॉ. सच्चिदानन्द।

प्रश्न 5. सर्व-साक्षरता अभियान में इनमें से किस आयु वर्ग को शामिल किया गया है—
(अ) 5–14 वर्ष (ब) 10–45 वर्ष
(स) 15–35 वर्ष (द) 15–55 वर्ष।
उत्तर—(स) 15–35 वर्ष।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

प्रश्न 6. कनिष्क ..... वंश का शासक था।

उत्तर—कुषाण।

प्रश्न 7. संयुक्त राष्ट्रसंघ की स्थापना ..... को हुई।

उत्तर—24 अक्टूबर 1945.

प्रश्न 8. स्थायी बन्दोबस्त प्रणाली..... द्वारा प्रारम्भ की गई।

उत्तर—कार्नवालिस।

प्रश्न 9. संविधान सभा की पहली बैठक ..... को प्रारम्भ हुई।

उत्तर—9 दिसम्बर 1946.

प्रश्न 10. पेड़-पौधे ..... की प्रक्रिया से पूर्व सूर्य की किरणों की सहायता से अपने लिए ऊर्जा प्राप्त करते हैं।

उत्तर—प्रकाश संश्लेषण।

सत्य/असत्य लिखिए—

प्रश्न 11. तीसरी दुनिया के देश औपनिवेशिक शोषण के शिकार थे।

उत्तर—सत्य।

प्रश्न 12. संसार में चीनी के उत्पादन में भारत का प्रथम स्थान है।

उत्तर—असत्य।

प्रश्न 13. छत्तीसगढ़ में पैदा हुआ व्यक्ति भारत का नागरिक है।

उत्तर—सत्य।

प्रश्न 14. भारत में लगातार पाँच वर्षों तक विदेश में रहने पर नागरिकता समाप्त हो जाती है।

उत्तर—असत्य।

प्रश्न 15. गाय का गोबर भूमि के लिए उर्वरक का कार्य करता है।

उत्तर—सत्य।

एक वाक्य में उत्तर दीजिए—

प्रश्न 16. शीत युद्ध की समाप्ति के बाद कौन-सा देश विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली देश के रूप में उभरा ?

उत्तर—संयुक्त राज्य अमेरिका।

प्रश्न 17. भारत में चाय का सर्वाधिक उत्पादन किस राज्य में होता है ?

उत्तर—असम।

प्रश्न 18. कौन-सी मिट्टी कपास की कृषि के लिए प्रसिद्ध है ?

उत्तर—काली मिट्टी।

प्रश्न 19. भारत में पहली रेल कब चली ?

उत्तर—16 अप्रैल, 1853.

प्रश्न 20. हमारे संविधान में वर्तमान में कितने मौलिक कर्तव्य हैं ?

उत्तर—11.

प्रश्न 21. किस मौलिक अधिकार को डॉ. अम्बेडकर ने संविधान का हृदय कहा है ?

उत्तर—समानता का अधिकार।

प्रश्न 22. परिवार नियोजन कार्यक्रम भारत में कब शुरू किया गया था ?

उत्तर—सन् 1951.

लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 23. साम्राज्यवाद के विकास की अनुकूल परिस्थितियों का वर्णन कीजिए (कोई दो)

उत्तर—साम्राज्यवाद के विकास की अनुकूल परिस्थितियाँ निम्नलिखित हैं—

(1) औद्योगिक क्रांति—इस समय तक एशिया और अफ्रीका के देशों में औद्योगिक क्रांति नहीं आयी थी। यहाँ होने वाले उत्पादन का उपयोग प्राचीन ढंग से हाथों द्वारा ही होता था अत: यहाँ का साम्राज्यवादी देशों के लिए उपयुक्त बाजार एवं कच्चा माल उपलब्ध था।

(2) कमजोर सैन्य शक्ति—एशिया एवं अफ्रीका के देश सैनिक दृष्टि से अत्यधिक कमजोर थे। उनके पास न तो सैन्य शक्ति थी और न ही संगठन की शक्ति थी। उनके पास सक्षम सैनिकों से मुकाबला करने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साधन भी नहीं थे।

अथवा

प्रश्न—संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य दो उद्देश्य लिखिए।

उत्तर—संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य उद्देश्य—

(1) विश्व शांति व सुरक्षा बनाए रखना। (2) भविष्य में युद्ध को रोकना।

प्रश्न 24. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। (कोई दो)

उत्तर—गुटनिरपेक्ष राष्ट्रा का पहला सम्मेलन 1961 में बेलग्रेड में हुआ। इसमें एशिया एवं अफ्रीका के 25 देशों के प्रमुख राज्यों ने भाग लिया। इनमें यूगोस्लाविया तथा क्यूब के राज्य प्रमुख थे।

उद्देश्य—(1) शांति को स्थायी बनाना। (2) उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के तमाम रूपों का अंत करना।

अथवा

प्रश्न—वैश्वीकरण के दो परिणामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—राजनीति क्षेत्र के दो परिणाम निम्नलिखित हैं—

(1) राजनीति क्षेत्र में वैश्वीकरण ने बहुलतावादी व्यवस्थाएँ और बहुदलीय लोकतंत्र मानवा. धिकारों की स्वीकृति और लोक प्रशासन में जवाबदेही तथा पारदर्शिता का प्रसार किया।

(2) सांस्कृतिक धरातल पर भी इसमें सामाजिक सम्बन्धों, सामाजिक और धार्मिक पहचान समेत मूल्य व्यवस्था को प्रभावित किया।

प्रश्न 25. आजाद हिन्द फौज का गठन किसने एवं क्यों किया ? लिखिए।

उत्तर—आजाद हिन्द फौज का गठन सन् 1943 में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस ने किया। इस फौज में उन भारतीय सैनिकों को भर्ती किया गया था, जिन्हें अंग्रेजों से युद्ध के समय जापान ने युद्ध में बंदी बना लिया था।

अथवा

प्रश्न—लखनऊ समझौता कब हुआ ? यह महत्वपूर्ण क्यों हैं ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—सन् 1916 ई. में मुस्लिम लीग तथा कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन लखनऊ में हुआ जहाँ अब्दुल कलाम आजाद तथा अली बंधुओं के सहयोग से दोनों दलों के मध्य समझौता हो गया जिसे 'लखनऊ समझौता' के नाम से जाता है।

लखनऊ समझौता अत्यन्त महत्वपूर्ण समझौता है। यह हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रतीक बन गया। इस पैक्ट के लिए दोनों दलों ने कुछ क्षेत्रों में समझौते किए। जहाँ कांग्रेस ने पृथक् निर्वाचक मण्डल की योजना को स्वीकार कर लिया, निर्वाचन के बहुमत के शासन को मान लिया वहीं मुस्लिम लीग ने कांग्रेस एवं मुस्लिम के बीच में स्वशासन की माँग उठाई जिसकी सरकार उपेक्षा नहीं कर सकी।

लखनऊ अधिवेशन इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि 9 वर्षों के अन्तराल के बाद गरमपंथी नेताओं ने इस अधिवेशन में भाग लिया। तिलक उस समय होमरूल आन्दोलन सम्भाल रहे थे, दुबारा उभरे तथा 1920 में अपनी मृत्युपर्यन्त गतिविधियों के केन्द्र में रहे।

प्रश्न 26. भारत के मानचित्र में निम्न को दर्शाइए—
(1) रबर उत्पादक क्षेत्र, **(2) दिल्ली,**
(3) कृष्णा नदी, **(4) चिल्का झील।**
उत्तर—

अथवा

भारत के मानचित्र में निम्न को दर्शाइए—

(1) भाखड़ा बाँध, **(2) ताप्ती नदी,**

(3) हीराकुड परियोजना, **(4) अण्डमान निकोबार।**

उत्तर—प्रश्न 27. जनसंख्या वृद्धि के चार कारण बताइये।

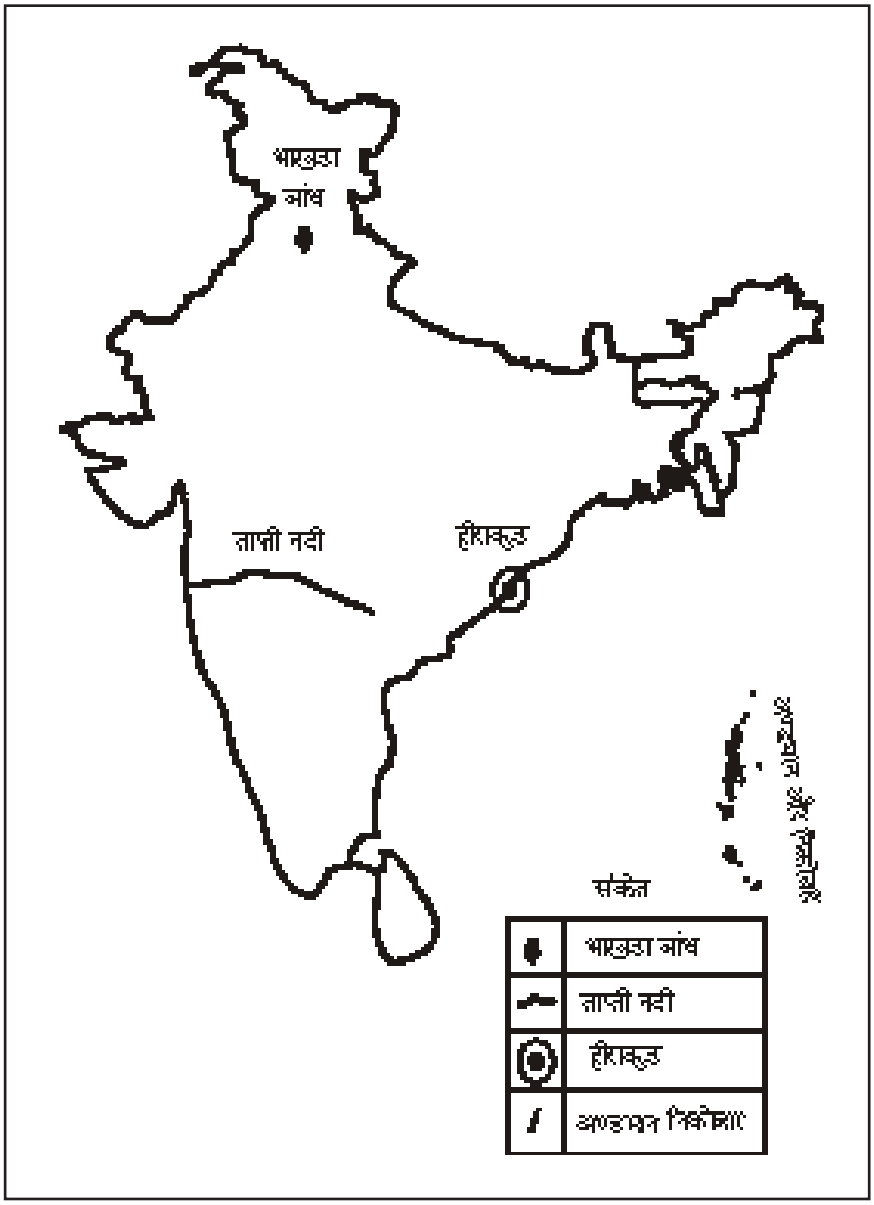

उत्तर—जनसंख्या वृद्धि के निम्न कारण हैं—

(1) विवाह की अनिवार्यता—भारत में सामाजिक एवं धार्मिक दृष्टि से विवाह एक आवश्यक संस्कार माना जाता है। विवाह को संतान उत्पत्ति के लिए आवश्यक माना जाता है।

(2) बाल-विवाह—हमारे देश में शिक्षित परिवारों को छोड़कर सामान्यत: लड़कियों का विवाह पन्द्रह वर्ष की आयु से पूर्व ही कर दिया जाता है, जिससे संतानोत्पत्ति काल अधिक होता है जिससे वे अधिक बच्चों को जन्म भी देती हैं।

(3) धार्मिक और सामाजिक अंधविश्वास—भारतीय जनता संतान को ईश्वरीय देन मानती है तथा उसमें किसी तरह का हस्तक्षेप करना सही नहीं मानती है जिसके फलस्वरूप जन्मदर अधिक रहती है।

(4) संयुक्त परिवार प्रथा—भारत में संयुक्त परिवार प्रणाली में परिवार का आर्थिक दायित्व सम्मिलित रूप से सभी सदस्यों पर रहता है। इसलिए लोगों में उत्तरदायित्व की भावना की कमी रहती है और वे अंधाधुंध संतनोत्पत्ति करते जाते हैं।

अथवा

प्रश्न—भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर—भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं—

(1) निरंतरता और परिवर्तन—हमारी संस्कृति के साथ-ही-साथ बदलाव भी आ रहा है। भारत एक विशाल देश है। यहाँ भौगोलिक, आर्थिक एवं सामाजिक कई तरह की भिन्नताएँ होती हैं।

(2) अनेकता और एकता—हमारी संस्कृति की विविधता एक बड़ा कारण है। यहाँ कई तरीके के समूहों का समावेश है। समय के साथ दुनिया के कई भागों से लोग यहाँ आए और बसते चले गए। यहाँ अनेक जाति, धर्म, रीति-रिवाज आदि में विविधता है।

(3) प्रेम व धार्मिक सहिष्णुता—प्रेम व धार्मिक सहिष्णुता भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता है। भारतीय संस्कृति का यह विश्वास है कि सभी धर्म एक ही ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग रास्ते हैं। इनमें न कोई उच्च है और न कोई निम्न, इसलिए सबके प्रति सम्मान की भावना को प्रत्येक भारतीय अपना कर्तव्य समझता है।

प्रश्न 28. किन्हीं चार राष्ट्रीय दल और चार क्षेत्रीय दलों के नाम लिखिए।

उत्तर—प्रमुख राष्ट्रीय दल—

(1) भारतीय जनता पार्टी
(2) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(3) भारतीय साम्यवादी दल
(4) भारतीय मार्क्सवादी दल

प्रमुख क्षेत्रीय दल—

(1) तेलगूदेशम्
(2) असम गण परिषद्
(2) पीपुल्स कान्फ्रेंन्स
(4) नेशनल कांफ्रेस।

अथवा

प्रश्न—जनमत निर्माण के चार माध्यमों को संक्षेप में समझाइये।

उत्तर—जनमत के चार माध्यम—

(1) संचार माध्यम—जनसंचार का सर्वाधिक प्रभावकारी तरीका संचार माध्यम है। प्रेस, दूरदर्शन, रेडियो, सिनेमा को सम्मिलित रूप से संचार माध्यम कहा जाता है। समाचार-पत्र, राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय सूचना, राजनीतिक विचारधाराओं, सरकारी नीतियाँ आदि।

(2) राजनीतिक दल—राजनीतिक दलों/हित दबाव समूहों दोनों को जन समर्थन पाने में सीधे हित होते हैं। इस तरह वे जनता को काफी सूचनाएँ और विचार मुहैया कराते हैं।

(3) चुनाव—लोकतान्त्रिक दल अपने-अपने पक्ष में चुनाव घोषणा-पत्र प्रकाशित करता है, जिसमें चुनाव प्रचार, अपीलें और प्रदर्शन जनमत बनाने में लोगों की मदद करते हैं।

(4) सामाजिक और शैक्षणिक संस्थान—विभिन्न सामाजिक संगठन तथा संस्थाएँ अपनी गतिविधियों से जनता को अच्छे-बुरे की शिक्षा देते हैं। ये संस्थाएँ उन्हें महत्वपूर्ण सामाजिक समस्याओं से भी अवगत कराते हैं।

प्रश्न 29. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर नियुक्ति हेतु कौन-कौन सी शर्तें आवश्यक हैं ? लिखिए।

उत्तर—सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर नियुक्ति हेतु निम्नलिखित शर्तें आवश्यक हैं—

(1) भारत का नागरिक हो।

(2) वह कम-से-कम पाँच वर्षों तक किसी एक या अधिक उच्च न्यायालयों में न्यायाधीश के पद पर आसीन रहा हो।

(3) वह कम-से-कम 10 वर्षों तक किसी एक या अधिक उच्च न्यायालयों में अधिवक्ता के रूप में लगातार कार्य कर चुका हो।

(4) वह राष्ट्रपति की नजर में एक प्रसिद्ध न्यायवेत्ता हो।

अथवा

प्रश्न—लोकसभा, राज्यसभा से अधिक शक्तिशाली है।'' समझाइये।

उत्तर—लोकसभा, राज्यसभा से निम्न बिन्दुओं के आधार पर शक्तिशाली है—

(1) लोकसभा जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचित सदन है जबकि राज्यसभा अप्रत्यक्ष निर्वाचित सदन है। अत: लोकसभा के सदस्यों का जनता से प्रत्यक्ष सम्पर्क होने के कारण उनका दायरा अधिक है।

(2) साधारण विधेयक के सम्बन्ध में दोनो सदनों को लगभग एक समान शक्तियाँ प्राप्त हैं, परन्तु अंतिम विश्लेषण में लोकसभा, राज्यसभा से अधिक शक्तिशाली हो जाती है।

(3) धन विधेयक के सम्बन्ध में लोकसभा सर्वशक्ति सम्पन्न है, जबकि राज्यसभा को केवल औपचारिक शक्ति प्रदान है।

(4) कार्यपालिका पर वास्तविक नियंत्रण लोकसभा द्वारा स्था"त किया जाता है। क्योंकि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी रहती है तथा अपने अस्तित्व के लिए लोकसभा के बहुमत के समर्थन पर आश्रित रहती है।

प्रश्न 30. आदर्श नागरिक के चार गुण लिखिए।

उत्तर—आदर्श नागरिक के गुण—

(1) देश के प्रति निष्ठा—एक अच्छा नागरिक वही है जो देश के प्रति प्रेम समर्पण, त्याग की भावना रखता हो। देशभक्ति नागरिकों के अन्दर कूट-कूटकर भरी होनी चाहिए।

(2) सार्वजनिक मामलों की जानकारी—लोकतंत्र में अपने अधिकारों का उपयोग करे तथा अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक मामलों का ज्ञान होना चाहिए। व्यक्तियों को अच्छा नागरिक बनाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

(3) मतदान करना—हमारे देश में अनिवार्य मतदान नहीं है। अत: एक अच्छे नागरिक का कर्तव्य है कि वह मतदान करे और अपने अधिकार का प्रयोग करे।

(4) अनुशासनबद्धता—एक अच्छे नागरिक को अनुशासन में रहकर कार्य करना चाहिए। सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करनी चाहिए। देश के कानून का पालन करना चाहिए।

अथवा

प्रश्न—मौलिक अधिकार किसे कहते हैं ? उनके नाम लिखिए।

उत्तर—ऐसे अधिकार जो नागरिकों के जीवनयापन तथा उनके व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य होते हैं उन्हें मौलिक अधिकार कहते हैं। मूल संविधान में हमें 7 मौलिक अधिकार प्रदान किये हैं—

(1) समानता का अधिकार, (2) स्वतंत्रता का अधिकार, (3) शोषण के विरुद्ध अधिकार, (4) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, (5) सम्पत्ति का अधिकार, (6) सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार, (7) संवैधानिक उपचारों का अधिकार।

प्रश्न 31. जल प्रदूषण के क्या-क्या कारण हैं ?

उत्तर—जल प्रदूषण के निम्न कारण हैं—

(1) कृषि में प्रयोग किये गये कीटाणुनाशक, अपतृणनाशक रासायनिक खादें।

(2) सीसा, पारा, आदि अकार्बनिक तथा कार्बनिक पदार्थ हैं जो औद्योगिक संस्थानों से निकलते हैं।

(3) रेडियोधर्मी पदार्थ जो परमाणु विस्फोट आदि से उत्पन्न होते हैं जो जल प्रवाह में पहुँचते हैं।

(4) वाहित मल जो मनुष्य द्वारा जल में मिला दिया जाता है।

अथवा

प्रश्न—वायु-प्रदूषण की रोकथाम के उपाय लिखिये।

उत्तर—वायु प्रदूषण दूर करने के उपाय—(1) प्रत्येक बस्ती में पर्याप्त संख्या में पेड़-पौधे लगाने चाहिए तथा वनस्पति उगानी चाहिए, (2) जिन घरों में अंगीठी आदि जलाई जाती है, वहाँ धुएँ के निकलने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। इसके लिए एक ऊँची चिमनी लगानी चाहिए, (3) मकानों को यथासम्भव सड़कों से दूर बनाना चाहिए तथा मकानों में सूर्य का प्रकाश आने की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए, (4) खाली भूमि नहीं छोड़नी चाहिए, क्योंकि खाली भूमि में धूल उड़ती है जो वायु को दूषित करती है, (5) औद्योगिक संस्थाओं तथा कारखानों को बस्ती से दूर रखना चाहिए, (6) जहाँ अधिक वाहन चलते हैं, वहाँ सड़कें पक्की होनी चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर—

प्रश्न 32. प्रथम विश्व युद्ध के कोई छः कारण लिखिए।

उत्तर—प्रथम विश्व युद्ध के छः कारण निम्न हैं—

(1) इंग्लैण्ड व जर्मनी के बीच साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्द्धा साम्राज्यवाद की दौड़ में अपनी आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इंग्लैण्ड और जर्मनी के बीच टकराव उत्पन्न हो गया। इस टकराव से युद्ध होने लगे।

(2) गुटों का निर्माण एवं जर्मनी का सैन्यकरण—संघर्ष व टकराव ने साम्राज्यवादी शक्तियों को मित्र बनाने हेतु खोज में लगा दिया ताकि भविष्य में उनकी सहायता ले सके।

(3) आर्क ड्यूक फ्रांसिस फर्डिनेंस की हत्या—28 जून, 1914 को आर्क ड्यूक फर्डिनेंस की बोस्निया में हत्या कर दी गई जो कि आस्ट्रिया की गद्दी का वारिस था।

(4) उपनिवेश के लिए संघर्ष—दिनोंदिन बढ़ते हुए औद्योगिकीकरण के लिए कच्चे माल की आपूर्ति आवश्यक थी जिसकी पूर्ति कमजोर देशों में उपनिवेश स्था"त कर सरलता से की जाने लगी। इस प्रकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में शक्ति परीक्षण प्रथम विश्व युद्ध का एक कारण बना।

(5) फ्रांस व जर्मनी के बीच प्रतिस्पर्द्धा—सन् 1871 में जर्मनी ने फ्रांस से अल्सास तथा लारेन प्रदेश छीन लिए थे। फ्रांस जर्मनी को अपना शत्रु समझता था तथा वार करने के लिए अवसर की प्रतीक्षा में था।

(6) अस्त्र-शस्त्रों की होड़—यूरोप के राष्ट्र परस्पर स्वयं को दूसरे से अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए अस्त्र-शस्त्र का निर्माण कर रहे थे। ऐसे शंका और भय के वातावरण में विश्व युद्ध

आवश्यक हो गया था।

अथवा

प्रश्न—औद्योगिक क्रांति का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर—औद्योगिक क्रांति का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन पर प्रभाव—

आर्थिक जीवन पर प्रभाव—(1) मानव की सुख-सुविधाओं में वृद्धि हुई।

(2) विभिन्न देशों के बीच गहरे आर्थिक सम्बन्ध कायम हुए।

सामाजिक जीवन पर प्रभाव—(1) नये वर्गों की उत्पत्ति और उनके बीच संघर्ष।

(2) स्वतंत्र दस्तकारों तथा अन्य बेकारी में वृद्धि।

(3) पारिवारिक जीवन पर बुरा प्रभाव।

(4) नगरों का विकास।

(5) शहरों में नैतिक पतन तथा अपराधों में वृद्धि।

प्रश्न 33. सन् 1857 ई. की क्रांति के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए—

उत्तर—सन् 1857 ई. की क्रांति के प्रमुख कारण निम्न हैं—

(1) राजनीतिक कारण—देशी राज्यों को अपने राज्य में मिलाने की नीति गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी द्वारा चूक के सिद्धान्त को मनमाने ढंग से लागू करना और राजाओं और सामंतों की पेंशन उपाधियों को समाप्त करने जैसे कारणों के साथ अवध पर अंग्रेजों के कब्जे ने आग में भी डालने का काम किया।

(2) सामाजिक-धार्मिक कारण—ईसाइयों के धर्म प्रचार करने, लोगों को लालच देकर ईसाई बनाने, सती प्रथा बंद करने, विधवा विवाह को लागू करने, हिन्दू धर्म की निंदा करने आदि से भारतीय जनता अंग्रेजों के विरुद्ध हो गई।

(3) आर्थिक कारण—अंग्रेजों के आर्थिक और प्रशासनिक नीतियों ने देशी राजघरानों, उनके आश्रितों, परम्परागत जमींदारों, ताल्लुकदारों, किसानों, कारीगरों और दस्तकारी अर्थात् सबको प्रभावित किया था।

(4) सैनिक कारण—नागरिक और सैनिक सभी ऊँचे पद के यूरो"यों के लिए आरक्षित थे। इसके साथ-साथ कम्पनी का प्रशासन तंत्र और उसकी न्यायिक व्यवस्था अयोग्य, भ्रष्ट और अत्याचारी प्रतीत होती थी। नस्ल के आधार पर खुलेआम भेदभाव होता था।

अथवा

प्रश्न—19वीं शताब्दी में महिलाओं से सम्बन्धित मुख्य सामाजिक बुराइयों की व्याख्या कीजिए।

उत्तर—19वीं शताब्दी में समाज सुधारों की नई लहर आयी। इस काल में अनेक समाज सुधारकों ने भारतीय सामाजिक बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया।

(1) सती प्रथा का अंत—सती प्रथा हिन्दू समाज की बहुत बुरी प्रथा थी। हिन्दू स्त्रियाँ पति की मृत्यु के बाद साथ ही जीवित जल जाया करती थीं। इस बुराई का राजा राममोहन राय ने अंत किया और एक कानून बनाया।

(2) विधवा विवाह—राजा राममोहन राय, महात्मा फुले, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर आदि समाज-सुधारकों ने विधवा का पुनर्विवाह कराने का कानून बनाया।

(3) बाल विवाह का विरोध।

(4) स्त्री शिक्षा।

(5) बाल हत्या पर रोक।

(6) पर्दा प्रथा।

प्रश्न 34. भारत में राष्ट्रीय चेतना के उदय के प्रमुख कारण कौन-कौन से हैं ?

उत्तर—भारत में राष्ट्रीय चेतना के उदय के प्रमुख कारण निम्न हैं—

(1) भारत में अंग्रेजी भाषा का प्रारम्भ एवं नवीन विचारों का प्रादुर्भाव—अंग्रेजों ने अपनी राजनीतिक, प्रशासनिक तथा आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग आरम्भ किया। यह मुख्यत: प्रशासनिक कार्यों के लिए क्लर्क, एजेण्ट तथा अन्य अधीनस्थ स्टाफ की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया गया।

(2) साहित्य एवं प्रेस का विकास—साहित्य एवं प्रेस के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों एवं आर्थिक समस्याओं या लेखों तथा शासन के अन्याय व अनुचित कार्यों की आलोचना पढ़कर भी भारतीय जनता में राष्ट्रीय भावना का विकास हुआ।

(3) अंग्रेजों की आर्थिक नीतियाँ—अंग्रेजों ने भारत का शोषण करना ही अपनी प्रमुख आर्थिक नीति बना रखी थी। भारत का आर्थिक दोहन ही उनका मुख्य उद्देश्य था। दादाभाई नौरोजी ने ''पावर्टी एवं ब्रिटिश रूल इन इण्डिया'' नामक ग्रंथ में भारत से अंग्रेजों द्वारा ब्रिटेन की धन प्रवाह नीति को स्पष्ट किया, इससे भी भारतीयों के मन में अंग्रेजों के खिलाफ आक्रोश की भावना जागृत हुई।

(4) पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव—अंग्रेजी भाषा की शिक्षा का माध्यम बनाने में भारत को एक साझी भाषा मिल गई और वे एक-दूसरे के निकट आये। अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर अनेक भारतीयों ने पश्चिमी देश के साहित्य का भी अध्ययन किया। इस साहित्य में राष्ट्रीयता और स्वतंत्रता के महत्व का पता चला।

अथवा

प्रश्न—गरम दल के उदय के क्या कारण थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर—भारत में गरम दल के उदय के निम्न कारण हैं—

(1) समाज सुधारकों का प्रभाव—समाज सुधारकों जैसे—स्वामी विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती, एनी बेसेंट के प्रभाव का गहरा प्रभाव पड़ा।

(2) प्रेस तथा साहित्य—समाचार-पत्र केसरी, अमृत बाजार पत्रिका, हिन्दू युगांतर तथा अनेक पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित हुईं जिन्होंने समाज सुधार को और गरमपंथियों के विचारों को लोकप्रिय बनाया।

(3) लाड कर्जन की दमन नीति—लार्ड कर्जन सन् 1894 में वायसराय के रूप में भारत आया। योग्य प्रशासक होने तथा प्रशासन में अनेक रचनात्मक परिवर्तन लाने के बावजूद उसकी नीतियाँ अपनी प्रकृति में भारत विरोधी थीं।

(4) उदारवादियों की माँगों का पूर्ण न होना—अंग्रेजों द्वारा उदारवादी नेताओं की बार-बार की जाने वाली माँगों की उपेक्षा होने पर युवा सदस्य प्रभावी होते गए।

प्रश्न 35. बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए। (कोई छ:)

उत्तर—बहुउद्देशीय नदी-घाटी परियोजनाओं के उद्देश्य निम्न हैं—

(1) जल विद्युत उत्पादन—इन परियोजनाओं से जल विद्युत का उत्पादन भी किया जाता है। भारी लागत और लम्बे निर्माणकाल के बावजूद यह कम खर्चा का साबित होता है।

(2) बाढ़ नियंत्रण—बाँधों के पीछे बनी झीलों में वर्षा के जल को इकट्ठा करके बाढ़ों को रोकने का प्रयास किया गया है। अनेक नदी-घाटी परियोजनाएँ बाढ़ नियंत्रण में काफी सहायक सिद्ध हुई हैं।

(3) औद्योगिक विकास—औद्योगिक विकास के लिए ऊर्जा जल विद्युत तथा स्वच्छ जल इन बहुउद्देशीय परियोजनाओं से पर्याप्त मात्रा में मिल जाता है। जैसे—दक्षिण-पूर्वी बिहार, पश्चिम

बंगाल के उद्योगों को दामोदर घाटी परियोजना से जल विद्युत तथा स्वच्छ जल की आपूर्ति होती है।

(4) सिंचाई—बाँधों के पीछे बनी झीलों से नहरें निकालकर सिंचाई की जाती है। इन योजनाओं की सहायता से ही आज हम 33% से अधिक कृषि की सिंचाई करने में समर्थ हो गये हैं।

(5) मत्स्य पालन—बाँधों के पीछे बनी कृत्रिम झीलों में वैज्ञानिक पद्धति से मछली पालन किया जाता है। इससे लोगों की रोजी-रोटी चल रही है।

(6) मनोरंजन और पर्यटन—ये परियोजनाएँ आकर्षण पर्यटन केन्द्र बन गई हैं। अनेक पर्यटक मनोरंजन के लिए यहाँ आते हैं।

अथवा

प्रश्न—वर्षा जल संग्रहण से क्या तात्पर्य है ? इसकी विधियों का वर्णन कीजिए। (कोई चार)

उत्तर—वर्षा के जल को भविष्य के उपयोग के लिए इकट्ठा करना ही वर्षा जल संग्रहण कहलाता है। वर्षा जल संग्रहण के दो रूप हैं—एक तो धरातल पर एकत्र करना तथा दूसरा धरातल के नीचे भूजल का पुनः भरण करना।

देश के अलग-अलग भागों में पेयजल तथा सिंचाई के लिए वर्षा जल की विभिन्न विधियाँ काम में लाई जाती हैं—

(1) मकानों की छत के वर्षा जल का संग्रह—छत्तों पर गिरने वाले वर्षा जल को नलों द्वारा घरों में या आस-पास बने कुओं, कुँडों, बावलियों आदि में एकत्र करना वर्षा जल संग्रहण है।

(2) खेतों में तालाब या गाँव के तालाब—वर्षा जल को व्यक्तिगत खेतों या गाँव की जमीन पर बने तालाबों में एकत्र करना। इन तालाबों का जल रिसकर धरातल के नीचे चला जाता है तथा भूजल के रूप में इकट्ठा हो जाता है।

(3) नालियों का निर्माण—खेतों के चारों ओर नालियाँ खोदकर इनमें वर्षा जल को इकट्ठा कर लिया जाता है।

(4) जल रिसाव तालाब—कृषि के लिए अनुपयुक्त भूमि पर तालाब बनाकर इनमें वर्षा जल को इकट्ठा किया जाता है। तालाबों में एकत्रित जल से भूजल में भण्डारों का पुनर्भरण हो जाता है।

प्रश्न 36. कृषि आधारित उद्योगों के नाम लिखकर एक का वर्णन कीजिए।

उत्तर—कृषि पर आधारित उद्योगों के नाम निम्न हैं—(1) सूती वस्त्र उद्योग, (2) जूट उद्योग, (3) रेशम उद्योग, (4) चीनी उद्योग, (5) खाद्य तेल उद्योग।

सूती वस्त्र उद्योग—परम्परागत हथकरघा और आधुनिक सूती वस्त्रों के कारखाने में भारत अकेला सबसे बड़ा उद्योग है। भारत में सर्वप्रथम मुम्बई और अहमदाबाद में सूत्री वस्त्र बनाने के कारखाने खोले गये। सूती वस्त्र उद्योग के तीन क्षेत्र हैं—(1) भारी मशीनों वाली बड़ी-बड़ी मिलें तथा भारी पूँजी निवेश, (2) हथकरघा, (3) विद्युत करघा।

सूती वस्त्र के उत्पादन में महाराष्ट्र का प्रथम स्थान है। गुजरात का दूसरा स्थान है। यहाँ अहमदाबाद मुख्य केन्द्र है। अहमदाबाद को भारत का मानचेस्टर कहा जाता है।

भारत सूती वस्त्रों का निर्यात मुख्य रूप से अमेरिका, रूस, फ्रांस, पूर्वी यूरोप देश, नेपाल आदि को करता है।

अथवा

प्रश्न—सड़कों का वर्गीकरण कीजिए एवं उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर—निर्माण और प्रबन्ध की दृष्टि से भारत की सड़कों को पाँच वर्गों में बाटा गया है—

(1) राष्ट्रीय महामार्ग—ये सड़कें देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये देश के एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ती हैं। ये राज्यों की राजधानी और देश के प्रमुख नगरों को आपस में जोड़ती हैं।

इसका निर्माण व रख-रखाव केन्द्र सरकार करती है।

(2) राज्य महामार्ग—इन सड़कों के निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार व केन्द्र सरकार करती हैं। ये सड़कें प्रमुख नगरों व जिला मुख्यालयों को जोड़ती हैं।

(3) जिले की सड़कें—जिला प्रशासन इन्हें बनाता है और इनकी देखभाल करता है। ये सड़कें जिले के कस्बों और नगरों को आपस में जोड़ती हैं।

(4) गाँव की सड़कें—ये सड़कें गाँव को आपस में तथा गाँव को राष्ट्रीय महामार्गों और जिले की सड़कों से जोड़ती हैं।

(5) सीमा की सड़कें—सीमा सड़क संगठन देश की समीावर्ती क्षेत्रों में सड़कें बनाता और रख-रखाव करता है। देश की सुरक्षा के लिए इन सड़कों का बड़ा भारी महत्व है।

प्रश्न 37. छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग के कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—छत्तीसगढ़ मानव अधिकार आयोग का गठन 16 अप्रैल, 2001 में किया गया। छ. ग. मानव अधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष जस्टिस श्री के. राम अग्रवाल थे।

आयोग के कार्य—(1) मानव अधिकार के अपहरण या हनन की शिकायतों की जाँच करना।

(2) अधिकारों के क्रियान्वयन एवं उपभोग करने में बाधक तत्वों के निवारण का सुझाव देना।

(3) मानवाधिकार से सम्बन्धी शिक्षा का प्रसार करना, इसके प्रति लोगों को जागरूक कराना।

(4) किसी न्यायालय में चल रहे मुकदमे की सुनवाई में हिस्सा लेना।

(5) मानव अधिकार के विकास के लिए कार्य करना और सम्बन्धित संस्थानों को प्रोत्साहित करना।

अथवा

प्रश्न—लोकतंत्र के प्रमुख दोषों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—लोकतंत्र के निम्नलिखित दोष हैं—

(1) गुणों की अपेक्षा संख्या का महत्व अधिक—लोकतंत्र का सबसे बड़ा दोष यह है कि इसमें केवल "र गिने जाते हैं यह नहीं देखा जाता है कि "रों में कुछ है या नहीं।

(2) अयोग्य व्यक्तियों का शासन—इस प्रकार के लोकतंत्र के आलोचक इसे अज्ञानी और मूर्ख-मनुष्यों के शासन का लोकतंत्र कहते हैं।

(3) भावुकता का उपयोग—लोकतंत्र के निर्वाचन में कार्यकुशलता में अक्षम व्यक्ति भी भाषण देने की कला में निपुण व्यक्ति जनता की भावनाओं को उभारकर जनता से अपने पक्ष में मतदान करा लेने और विजय प्राप्त करने में सफल हो जाता है।

(4) भ्रष्टाचार का पोषक—लोकतंत्र शासन में चुनाव के समय उम्मीदवारों को जो लोग ने आर्थिक या अन्य किसी प्रकार की सहायता देते हैं, उम्मीदवार विजय के पश्चात् उनके लिए ही और अनैतिक व अनुचित कार्य करता है तथा उनकी मदद करता है, जिससे भ्रष्टाचार पनपता है।

(5) साहित्य कला विज्ञान की उन्नति के लिए अनुपयुक्त—लोकतंत्र केवल राजनीतिक क्षेत्र की उन्नति में सहायक होता है। लोकतंत्र में राजनेताओं को छोड़कर साहित्य कला और विज्ञान के ज्ञाताओं तथा अन्य सभी को एक लाठी से हाँका जाता है।

प्रश्न 38. प्रधानमंत्री के कार्य व अधिकार लिखिए।

उत्तर—प्रधानमंत्री के कार्य व अधिकार निम्न हैं—

(1) केन्द्रीय शासन की समस्त कार्यपालिका शक्तियाँराष्ट्रपति में निहित हैं, परन्तु व्यवहार में उन शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद् करती है।

(2) प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के उन प्रमुख सलाहकार या मंत्रिपरिषद के नेता के रूप में महत्वपूर्ण शक्तियों का प्रयोग करता है।

(3) वह सम्पूर्ण प्रशासन पर नियंत्रण रखता है।
(4) वह मंत्रियों का चयन करता है तथा इनके बीच विभागों का बँटवारा करता है।
(5) वह मंत्रिमण्डल की बैठक की अध्यक्षता करता है।
(6) वह सरकार की नीतियों को निर्धारित करता है।
(7) वह लोकसभा के विघटन के लिए राष्ट्रपति को सलाह देता है।

अथवा

प्रश्न—ग्राम पंचायत के प्रमुख कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर—ग्राम पंचायत के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं—

(1) सड़कों, कुएं, तालाब, धर्मशाला, सफाई, रोशनी, अस्पताल एवं मनोरंजन की व्यवस्था करना।
(2) मेला, बाजारों, प्रदर्शनियों एवं हाट-बाजारों की व्यवस्था करना।
(3) जन्म, मृत्यु, विवाह का पंजीयन करना।
(4) संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकों का प्रबन्ध करना, स्वच्छ जल की व्यवस्था करना।
(5) जगगणना के कार्य में सहयोग करना, छोटा पुस्तकालय चलाना।
(6) अल्प बचत ग्राम विकास हेतु अन्य कार्यों की समझ ग्रामीणों में विक"त करना।
(7) कार्य संचालन हेतु स्थानीय समितियाँ गठित करना।
(8) ग्राम की सीमा के भीतर कर लगाना आदि कार्य इनके द्वारा किये जाते हैं।

●●